बुधवार, 23 अप्रैल 2025

मौसम

तापमान 39 – 29
आर्द्रता 83%
सूर्योदयः 5:11 सूर्यास्तः 17:59

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

आतंकियों ने धर्म पूछ-पूछकर मारी गोली, बिलखती पत्नी की बात सुन दहल जाएगा दिल -पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, चैत्र कृष्णपक्ष नवमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : आपका कार्य जितना अच्छा होगा उतना पहले असंभव ही नजर आएगा।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला : 27 लोगों की मौत, एनआईए करेगी जांच

कलमा पढ़वाया, धर्म पूछा और हिंदुओं को मार दी गोली

पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए पति के शव के पास बैठी पत्नी और अपनों को खोने के गम में बिलखते परिजन।

- श्रीनगर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने की हाईलेवल मीटिंग
- जम्मू-कश्मीर में पुलवामा के बाद सबसे बड़ा हमला

पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) : कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट एक प्रसिद्ध घास के मैदान में मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने विस्तृत जानकारी दिए बिना बताया कि 27 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय नागरिक हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले को हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा हमला बताया। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस भारत की यात्रा पर हैं और पर्यटन तथा ट्रैकिंग का सीजन जोर पकड़ रहा है। हमला अपराह्न करीब तीन बजे हुआ। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन घने देवदार के जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश और दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहे जाने वाले घास के मैदान में घुस आए और भोजनालयों के आसपास घूम रहे, खच्चर की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। कश्मीर घाटी में हुए इस हमले में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह संभव है कि आतंकवादी समूह जम्मू के किश्तवाड़ से दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग के रास्ते बैसरन तक पहुंचा हो। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमले के बाद मदद के लिए चीख-पुकार मच गई, जबकि शव खून से लथपथ पड़े थे। आतंकियों ने धर्म पूछकर गोलियां दागीं। इस भीषण आतंकी हमले में जो खुशनसीब जिंदा बच गए, उन्होंने पांव तले जमीन खिसका देने वाली आपबीती बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि नकाब लगाकर सेना की वर्दी में आए 5-6 आतंकवादियों ने लोगों से कलमा पढ़ने को कहा। जो लोग कलमा नहीं पढ़ पाए, उन्हें यह कहकर मार डाला कि तुम हिंदू काफिर हो। मोदी (प्रधानमंत्री) ने तुम्हारा हौसला बढ़ा रखा है। पृष्ठ 7

आतंकी गुट टीआरएफ ने ली आतंकी हमले की जिम्मेदारी

सूत्रों के मुताबिक, आतंकी संगठन ने इस शर्मनाक हरकत के बाद एक पत्र भी जारी किया है। अपनी कायराना हरकत को छुपाने के लिए टीआरएफ ने पत्र में दावा किया कि जम्मू कश्मीर में 85 हजार से अधिक डोमिसाइल जारी किए गए हैं। आतंकी संगठन का दावा है कि ये डोमिसाइल स्थानीय लोगों को नहीं, बल्कि बाहरी लोगों को प्रदान किए गए हैं। इससे जम्मू कश्मीर की डेमोग्राफी को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस तरह का आतंकी हमला, लोगों को गैर कानूनी तरीके से जम्मू कश्मीर में बसाने के प्रयासों का नतीजा है।

सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोड़ दिल्ली लौट रहे प्रधानमंत्री मोदी

जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को सऊदी अरब की अपनी दो दिवसीय यात्रा को बीच में ही समाप्त करके स्वदेश लौटने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब द्वारा आयोजित आधिकारिक रात्रिभोज में भाग नहीं लिया और अपनी यात्रा को बीच में ही समाप्त करके देश लौटने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले से ही कश्मीर में मौजूद है। बुधवार सुबह कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी की अहम बैठक बुलाई गई है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे।

जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। मोदी ने हमले में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।'' मोदी ने हमले के बाद गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की और उन्हें स्थिति से निपटने के लिए सभी उपयुक्त कदम उठाने को कहा।

पहलगाम आतंकी हमले की मुख्यमंत्री ममता ने की निंदा

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि हिंसा का यह कृत्य पूरी तरह से निंदनीय है। ममता बनर्जी ने जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर लिखा कि मैं जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के पहलगाम क्षेत्र में हुए क्रूर आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हूं। जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।

अमेरिका भारत के साथ खड़ा है: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहलगाम आतंकवादी हमले ने कड़ी निंदा की है। डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, कश्मीर से बहुत परेशान करने वाली खबर आई है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका मजबूती से खड़ा है। हम मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भारत के अविश्वसनीय लोगों को हमारा पूरा समर्थन और गहरी सहानुभूति है। हमारी संवेदनाएं आप सभी के साथ हैं!

पुतिन ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमले की निंदा की

मॉस्को : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि इस ''क्रूर अपराध'' का कोई औचित्य नहीं है और इसके दोषियों को उचित सजा मिलेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे संदेश में पुतिन ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। पुतिन ने कहा, ''इस क्रूर अपराध का कोई औचित्य नहीं है। हम उम्मीद करते हैं कि इसके साजिशकर्ताओं और अपराधियों को उचित सजा मिलेगी।''

पर्यटकों पर आतंकवादी हमला घिनौना और दर्दनाक: राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले को घिनौना और दर्दनाक बताते हुए कहा कि निर्दोष लोगों को निशाना बनाने का उनका नृशंस अमानवीय कृत्य माफी के लायक नहीं है। मुर्मू ने अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्ति की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

ममता ने प्रदर्शनकारी शिक्षकों से की अपील

'काम पर लौटें, दागी और बेदाग लोगों की सूची सरकार पर छोड़ दें'

पश्चिम मेदिनीपुर : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले प्रदर्शनकारी शिक्षकों से मंगलवार को काम पर लौटने का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके वेतन का ध्यान रखेगी। इस दिन, पश्चिम मेदिनीपुर में एक प्रशासनिक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि आपको इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है कि कौन दागी है और कौन नहीं। आपको केवल इस बात की चिंता करने की जरूरत है कि क्या आपके पास नौकरी है या नहीं और क्या आपको समय पर वेतन मिल रहा है या नहीं। दागी और बेदाग शिक्षकों की पहचान करने वाली सूची सरकार और अदालतों के पास है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम आश्वासन देते हैं कि आपकी नौकरी अभी सुरक्षित है और आपको आपका वेतन मिलेगा। कृपया अपने स्कूलों में वापस जाएं और कक्षाएं फिर से शुरू करें। मैंने कल रात से कई बार इस बारे में बात की है। हम आपके साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौकरी गंवाने वाले ग्रुप 'सी' और 'डी' के कर्मचारियों के लिए एक पुर्निवचार याचिका भी उच्चतम न्यायालय में दायर की जाएगी और तब तक हम पर अपना विश्वास बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों को आगाह किया कि वे उन्हें भड़काने की कोशिश कर रहे लोगों के झांसे में नहीं आएं। उन्होंने कहा कि अगर मैं कोलकाता में होती तो कुछ सैकंड में इस मुद्दे का समाधान कर देती। जो लोग आपको उकसा रहे हैं, उनके झांसे में नहीं आएं। इसके बाद, राज्य सरकार को देखने दें। उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा में ऐसे घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन राज्यों में बड़ी संख्या में लोग अपनी नौकरी गंवा चुके हैं और फिर कभी नौकरी वापस नहीं मिली। यहां ऐसा नहीं होने दें।

नौकरी की सुरक्षा का मुख्यमंत्री का वादा झूठा : बर्खास्त शिक्षकों ने कहा

कोलकाता, समाज्ञा : उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद बेरोजगार हुए शिक्षकों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 'नौकरी की सुरक्षा के झूठे वादे' करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सोमवार की शाम 6 बजे की समयसीमा तक बेदाग उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित करने और योग्य शिक्षकों की पहचान करने में विफल रहने के कारण एसएससी ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

मुर्शिदाबाद हिंसा 'बाहरी लोगों' ने रची, मई की शुरुआत में संकटग्रस्त इलाकों का दौरा करेंगी ममता

मुख्यमंत्री ममता ने मंगलवार को कहा कि वक्फ अधिनियम को लेकर मुर्शिदाबाद के कुछ हिस्सों में भड़की हिंसा के लिए 'बाहरी लोग' जिम्मेदार हैं और वह स्थिति का आकलन करने के लिए मई के पहले सप्ताह में अशांत क्षेत्रों का दौरा करेंगी। ममता ने यह भी कहा कि उनकी सरकार जिले के धुलियान के दो वार्डों में हुए दंगों के षड्यंत्रकारियों को जल्द ही बेनकाब करेगी।

पहलगाम में आतंकी हमले में कोलकाता निवासी की मौत, पत्नी को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिया भरोसा

कोलकाता : कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में एक बंगाली पर्यटक की जान चली गई। मृतकों में जिन लोगों की पहचान हुई है उनमें कोलकाता के निवासी बितान अधिकारी शामिल हैं। उनका घर पाटुली के वैष्णवनगर इलाके में है। बितान की पत्नी सोहिनी अधिकारी से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद बात की और उन्हें हर संभव मदद और समर्थन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार के मंत्री अरूप विश्वास बितान के घर पहुंचे और परिवार से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक, बितान अधिकारी टॉलीगंज विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 100 के निवासी थे। पेशे से इंजीनियर बितान फिलहाल फ्लोरिडा (अमेरिका) में कार्यरत थे। 16 अप्रैल को वह अपनी पत्नी सोहिनी और बेटे रिदान को लेकर कश्मीर घूमने गए थे।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

scan to download IGJC Digital Gold App

इंडियन जेम एंड ज्वेलरी क्रियेशन

आप का हर शुरुआत हो
अनंत और मंगलमय

अक्षय तृतीया ऑफर

20%* की छूट सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज एवं जड़ाऊ ज्वेलरी पर

10%* की छूट डायमंड, एस्ट्रो जेम्स, सिलवर एवं प्लैटिनम ज्वेलरी पर

पुराने हीरे एवं जेम्सटोन के बदले सोना घर लाईए

इंडियन जेम एंड ज्वेलरी क्रियेशन टोल फ्री नंबर 1800 8891704

9B, वुड स्ट्रीट : ग्राउंड फ्लोर, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89018 साउथ सिटी मॉल : ग्राउंड फ्लोर, 375, प्रिंस अनवर शाह रोड, कोलकाता 700 068 M +91 89810 89029 सिटी सेंटर II, राजारहाट : ब्लॉक - B', दूसरी मंजिल, शॉप नंबर 201, न्यू टाउन, कोलकाता 700 157 M +91 89810 89066 हावड़ा : जेपी 'स एसी मार्केट (श्री विंध्याचल बिल्डिंग), 35, डॉ. अबनी दत्ता रोड (हावड़ा एसी मार्केट के पास) M +91 89810 89027 वरदान मार्केट : 106, वरदान मार्केट, पहली मंजिल, 25A, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89003 बागनान : ग्लोरियस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सीटीसी बस स्टैंड के पास, शॉप नंबर 4, पहली मंजिल, बागनान, हावड़ा 711 303 M +91 89810 89024 दुर्गापुर : शॉप नंबर 205, ड्रीमप्लेक्स मॉल, पहली मंजिल, सिटी सेंटर, दुर्गापुर 713 216 M +91 89810 89017 श्रीरामपुर : अग्निशा - II, ग्राउंड फ्लोर, 30, के एम शाह स्ट्रीट, श्रीरामपुर, हुगली 712 201 M +91 89810 89014

हीरे के आभूषण, सॉलिटेयर, हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण, पोल्की, कुंदन जड़ाऊ और सार्टिफाइड रत्न, बाय-बैंक सुविधा के साथ www.indiangem.com

अधिकृत रिटेलरः फॉरएवरमार्क, प्लैटिनम और एमएमटीसी गोल्ड और सिल्वर बार्स

बेलगाम बयानबाजी पर अंकुश लगाए भाजपा

कुछ समय पहले तक उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणियों की चर्चा होती रही है। कहा गया कि इससे न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव सार्वजनिक हुआ है। चर्चा रही कि इससे जनमानस में अविश्वास व भ्रम की स्थिति बनती है। अब इस टिप्पणी से उत्साहित होकर भाजपा के दो सांसदों ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण स्तंभ पर अमर्यादित ढंग से निशाना साधा है। उस महत्वपूर्ण स्तंभ पर जिसका कार्य संविधान की गरिमा बनाना और न्याय सुनिश्चित करना है। दरअसल, विधानसभाओं में विधेयकों को मंजूरी देने के लिये समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि 'कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।' वहीं दूसरी ओर लोकसभा में झारखंड के गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद निशिकांत दुबे ने भी चिंताजनक ढंग से तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने का काम अपने हाथ में ले ले तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। यहां तक कि उन्होंने देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को भी नहीं बख्शा और उन्हें देश को गृह युद्ध की ओर धकेलने वाला बताया। इतना ही नहीं, कुछ समय उपरांत उन्होंने अपने बयान को और हल्का करते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त 'मुस्लिम आयुक्त' की भूमिका में रहे हैं। बहुत संभव है कि दोनों भाजपा नेताओं ने पार्टी में अपना कद बढ़ाने के मकसद से ऐसे बयान दिए होंगे। यह भी कि उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को बड़ा करके दिखाने का ही प्रयास किया। उन्हें लगता है कि शायद पार्टी उन्हें उनकी वफादारी के लिये पुरस्कृत करेगी। लेकिन भगवा पार्टी ने उन्हें सिर्फ फटकार ही लगाई है। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने खुद को उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियों से अलग रखने की बात कही है।

निस्संदेह भाजपा को लोकतंत्र के अभिन्न अंग के रूप में न्यायपालिका के प्रति अपने सम्मान की भी पुष्टि करनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि जब तक दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक भाजपा का यह दावा अविश्वसनीय ही बना रहेगा। पहले भी भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तब भी उस बयानबाजी को प्रश्रय नहीं दिया, जब आक्रामक बयानबाजी करने वाली सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अनर्गल बयानबाजी की थी। उल्लेखनीय है कि प्रज्ञा ने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहकर हंगामा कर दिया था। तब भी पार्टी ने बस इतना किया था कि उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और संसदीय पैनल से हटा दिया था। तब उन्होंने दो बार लोकसभा में माफी भी मांगी थी। कालांतर समय के साथ मामला शांत हो गया था। जैसा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उम्मीद भी थी। लेकिन इस बार भी यदि ऐसा ही नतीजा सामने आता है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता। यह देखते हुए कि दुबे और शर्मा ने मर्यादा की एक सीमा रेखा को पार किया है ,यह स्पष्ट रूप से न्यायालय और संविधान की अवमानना के दायरे में है। जिसके लिये उन्हें क्षमा नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, ऐसे अप्रिय विवादों से जनता में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव का नकारात्मक संदेश जाता है। जिससे अनावश्यक संवैधानिक संकट की स्थिति भी बन सकती है। जनता में लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों को लेकर अविश्वास का भाव पैदा नहीं होना देना चाहिए। दरअसल, ऐसे अनावश्यक विवादों से किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती। बल्कि तल्ख बयानबाजी से बेकार की बहस बढ़ने की आशंका ही बलवती होती है। खासकर संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को तो ऐसी बयानबाजी से परहेज करना ही चाहिए। दरअसल, संविधान ने न्यायपालिका को कुछ ऐसे अधिकार दिए हैं कि जब पूर्ण न्याय के लिये कोई अन्य रास्ता नहीं बचता, तब वह विशिष्ट अनुच्छेदों से मिली शक्तियों का प्रयोग कर सकती है। दूसरे शब्दों में इसे उम्मीद के एक दरवाजे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 23 अप्रैल, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन कृष्णपक्ष दशमी, 16:37 तक , नक्षत्र : धनिष्ठा, 11:55 तक , योग :शुक्ला, 18:38 तक, सूर्योदय: 5:11, सूर्यास्त: 17:59, चन्द्रोदय : 01:52, चन्द्रास्त: 13:25, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 11:34 से 13:10

राशिफल

मेष : आपका स्वास्थ्य सामान्य रह सकता है। स्वास्थ्य को लेकर आपकी चिंता दूर होगी। खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। पैसे का सोच समझकर निवेश करें।

वृष : मानसिक और शारीरिक तौर पर आप काफी एक्टिव रह सकते हैं। पैसे कमाने पर आज आपका भरपूर फोकस रहेगा। प्रबंधन पर ध्यान देने की जरूरत है।

मिथुन : आप आज अपने व्यवहार पर ध्यान दें। लोगों को आपका व्यवहार खराब लग सकता है। जिसकी वजह से आपके रिश्तों पर भी दरार आ सकती है।

कर्क : आज आपको शारीरिक थकावट का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति को देखते हुए कार्य करने की जरूरत है। बेवजह की चीजों पर बिल्कुल भी पैसे खर्च न करें।

सिंह : ऊर्जावान बने रहेंगे। वित्तीय लाभ के कई अवसर आपके सामने आ सकते हैं। काम में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी आपके साथ दिन का एन्जॉय कर सकते हैं।

कन्या : आज आप दूसरों की आलोचना करने में अपना समय बर्बाद न करें। नहीं तो आपका स्वास्थ्य बुरा असर डाल सकता है। मानसिक रूप से शांति भरा दिन बिताने का प्रयास करें।

तुला : शारीरिक बदलाव की संभावना है। योग से दिन की शुरुआत करें। आर्थिक लाभ कमाने के लिए आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। छोटे भाई-बहन के साथ समय बिताएं।

वृश्चिक : आज आप खेलों को लेकर काफी एक्टिव हो सकते हैं। पैसों से जुड़ी चिंताओं से दूरी बनाने का काम करें। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में गर्मजोशी रहेगी।

धनु : रचनात्मक कार्य करने का विचार आपके मन में आ सकता है। शेयर बाजार में निवेश के लिए प्लान बन सकता है। लेकिन आपको निवेश से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना जरूरी है।

मकर : आज आपका दिन काफी अच्छा बीत सकता है। स्वास्थ्य के लिहाज से भी दिन अच्छा रहने की संभावना है। दिन भर ऊर्जा बनाए रखने के लिए आपको परिवार के साथ दिन बिताने की जरूरत है।

कुम्भ : आज आपको अपने भावनाओं पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। खेलकूद या शारीरिक गतिविधि में दोस्तों के साथ शामिल हो सकते हैं। प्रेमी से प्यार का इजहार कर सकते हैं।

मीन : आज आप काम से जल्दी छुट्टी लेने की कोशिश कर सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च आपके सामने आ सकता है। पैसों को सही जगह पर खर्च करें। यात्रा के लिए प्रेमी के साथ जाने का प्लान बनाएं।

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

संदीप सृजन

पुस्तकें हैं वन उपवन, जहां विचारों की छाँव,
हर पन्ना एक पंखुड़ी, बिखेरे ज्ञान का गंध।
इनमें बस्ती हैं सृष्टि, इनमें जीवन का स्वर,
पढ़ने वाला पाए, अनंत का आलिंगन सघन।

प्रकृति के सुकुमार कविवर सुमित्रानंदन पंत की ये पंक्तियां प्रकृति और पुस्तक के बीच एक सुंदर समन्वय स्थापित करती है। उनने कविता में पुस्तकों को विचारों का उपवन कहा है। जो की शाश्वत सत्य है। आज का युग तकनीकी क्रांति का युग है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और वर्चुअल रियलिटी ने मानव जीवन को एक नई दिशा दी है। सूचनाएँ अब उंगलियों के इशारे पर उपलब्ध हैं, और डिजिटल उपकरणों ने समय और स्थान की सीमाओं को लगभग मिटा दिया है। फिर भी, इस तेज़ रफ्तार डिजिटल दुनिया में पुस्तकें अपनी एक खास जगह बनाए हुए हैं। पुस्तकें न केवल ज्ञान का भंडार हैं, बल्कि मानवता की संस्कृति, इतिहास, भावनाओं, और कल्पनाशीलता का जीवंत दस्तावेज भी हैं।

पुस्तकें मानव सभ्यता की रीढ़ रही हैं। प्राचीन मिस्र के पेपिरस से लेकर भारत के ताड़पत्रों तक, और मध्ययुगीन यूरोप की हस्तलिखित पांडुलिपियों से लेकर आधुनिक मुद्रित पुस्तकों तक, इनका योगदान अतुलनीय है। वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, बाइबिल, कुरान, और गुरु ग्रंथ साहिब जैसी पुस्तकों ने न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान किया, बल्कि नैतिकता, दर्शन, और सामाजिक मूल्यों को भी परिभाषित किया। ये ग्रंथ आज भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि ये मानव जीवन की जटिलताओं को समझने का एक गहरा दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

टेक्नालॉजी ने सूचनाओं को तीव्र और सुलभ बना दिया है, लेकिन पुस्तकों की गहराई और प्रामाणिकता का कोई विकल्प नहीं है। एक पुस्तक न केवल तथ्यों का संग्रह होती है, बल्कि यह लेखक के विचारों, अनुभवों, और भावनाओं का एक संगम भी होती है। पाठक जब पुस्तक के पन्नों को पलटता है, तो वह लेखक के साथ एक संवाद में प्रवेश करता है, जो समय और स्थान की सीमाओं को पार कर जाता है। यह अनुभव डिजिटल स्क्रीन पर उपलब्ध संक्षिप्त और अस्थायी सामग्री से कहीं अधिक गहन और स्थायी होता है।

पुस्तकें समाज को एक सूत्र में बाँधती हैं। साहित्य, इतिहास, और दर्शन की पुस्तकें विभिन्न पीढ़ियों, संस्कृतियों, और समुदायों के बीच एक सेतु का काम करती हैं। उदाहरण के लिए, प्रेमचंद की कहानियाँ और उपन्यास भारतीय ग्रामीण जीवन की कठिनाइयों और सामाजिक असमानताओं को आज भी जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। इसी तरह, शेक्सपियर के नाटक, टॉल्सटॉय के उपन्यास, और रवींद्रनाथ टैगोर की कविताएँ मानवीय भावनाओं और अनुभवों की सार्वभौमिकता को दर्शाती हैं। ये रचनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि चाहे युग कितना भी बदल जाए, मानव हृदय की बुनियादी भावनाएँ और संघर्ष वही रहते हैं।

टेक्नालॉजी के इस युग में सोशल मीडिया और वीडियो कंटेंट ने मनोरंजन और सूचना के स्वरूप को बदल दिया है। लेकिन ये माध्यम अक्सर सतही और क्षणिक होते हैं। एक ट्वीट या रील कुछ पलों में हमारा ध्यान खींच सकता है, लेकिन वह गहन चिंतन या भावनात्मक जुड़ाव प्रदान नहीं करता। दूसरी ओर, एक उपन्यास या कविता-संग्रह पाठक को घंटों तक बाँधे रखता है। पाठक कहानी के पात्रों के साथ हँसता है, रोता है, और उनके अनुभवों को अपने जीवन से जोड़ता है। यह भावनात्मक और बौद्धिक जुड़ाव पुस्तकों को डिजिटल माध्यमों से अलग करता है।

शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तकों की भूमिका निर्विवाद है। पाठ्यपुस्तकें विद्यार्थियों को आधारभूत और गहन ज्ञान प्रदान करती हैं। ऑनलाइन कोर्स, वीडियो लेक्चर, और डिजिटल संसाधनों ने शिक्षा को सुलभ बनाया है, लेकिन पुस्तकें अब भी गहन अध्ययन और संदर्भ सामग्री का प्रमुख स्रोत हैं। एक पुस्तक पढ़ते समय पाठक अपनी गति से सीखता है, महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करता है, और विचारों को आत्मसात करता है। यह प्रक्रिया दीर्घकालिक स्मृति और समझ को बढ़ावा देती है, जो डिजिटल माध्यमों में अक्सर अनुपस्थित होती है।

पुस्तकें न केवल शैक्षिक ज्ञान प्रदान करती हैं, बल्कि वैचारिक विकास में भी योगदान देती हैं। दर्शन, विज्ञान, और साहित्य की पुस्तकें पाठक को प्रश्न उठाने, तर्क करने, और

विश्व पुस्तक दिवस

नए दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उदाहरण के लिए, कार्ल मार्क्स की दास कैपिटल या सिगमंड फ्रायड की मनोविश्लेषण संबंधी रचनाएँ आज भी सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विचारधारा को प्रभावित करती हैं। ये पुस्तकें हमें अपने समाज और स्वयं को गहराई से समझने का अवसर देती हैं।

टेक्नालॉजी ने पुस्तकों को अप्रासंगिक बनाने के बजाय, उन्हें नए रूप में प्रस्तुत किया है। ई-बुक्स, ऑडियोबुक्स, और ऑनलाइन लाइब्रेरी ने पुस्तकों को और अधिक सुलभ बनाया है। अमेजन किंडल, गूगल बुक्स, और प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग जैसे प्लेटफॉर्म लाखों पुस्तकों को एक डिवाइस में समेट देते हैं। यह उन लोगों के लिए वरदान है जो दूरदराज के क्षेत्रों में रहते हैं और पारंपरिक पुस्तकालयों तक नहीं पहुँच सकते। ऑडियोबुक्स ने उन लोगों के लिए पढ़ने को संभव बनाया है, जो समय की कमी या दृष्टिबाधा के कारण पारंपरिक पुस्तकें नहीं पढ़ सकते।

हालांकि, डिजिटल पुस्तकों का यह युग पारंपरिक पुस्तकों के आकर्षण को कम नहीं करता। पुस्तक की वह खुशबू, पन्नों का स्पर्श, और उसे किताबों की अलमारी में सजाने का सुख एक अनूठा अनुभव है। पुस्तकालय, बुक क्लब, और साहित्यिक उत्सव आज भी लोगों को आकर्षित करते हैं। भारत में दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल और कोलकाता बुक फेयर जैसे आयोजन इस बात का प्रमाण हैं कि लोग पुस्तकों से कितना प्रेम करते हैं।

यह सच है कि डिजिटल युग में पुस्तकों को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कम होती ध्यान अवधि, सूचनाओं का अतिरेक, और त्वरित मनोरंजन के साधनों ने पढ़ने की आदत को प्रभावित किया है। सोशल मीडिया पर उपलब्ध छोटे-छोटे वीडियो और मीम्स ने गहन पढ़ने की प्रवृत्ति को कम किया है। फिर भी, पुस्तकों का भविष्य उज्ज्वल है।

नई पीढ़ी को पुस्तकों से जोड़ने के लिए शिक्षा और जागरूकता के प्रयास आवश्यक हैं। स्कूलों में पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहन देना, माता-पिता का बच्चों को कहानियाँ पढ़कर सुनाना, और पुस्तकालयों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो पुस्तकों के महत्व को बनाए रखेंगे। साथ ही, लेखकों और प्रकाशकों को डिजिटल और पारंपरिक दोनों माध्यमों का उपयोग करके पाठकों तक पहुँचना होगा।

पुस्तकें न केवल बौद्धिक और सामाजिक विकास में योगदान देती हैं, बल्कि व्यक्तिगत और आध्यात्मिक स्तर पर भी गहरा प्रभाव डालती हैं। भगवद्गीता, ताओ ते चिंग, या रूमी की कविताएँ पाठक को आत्ममंथन और आत्म-जागरूकता की ओर ले जाती हैं। ये रचनाएँ हमें अपने उद्देश्य और जीवन के अर्थ को समझने में मदद करती हैं। जैसा कि आपने पहले भगवद्गीता के महत्व के बारे में चर्चा की थी, यह पुस्तक आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, और इसका यूनेस्को धरोहर में शामिल होना इसके वैश्विक महत्व को दर्शाता है। टेक्नालॉजी के युग में पुस्तकें न केवल प्रासंगिक हैं, बल्कि अपरिहार्य भी हैं। वे ज्ञान, संस्कृति, और भावनाओं का ऐसा खजाना हैं, जिसका कोई विकल्प नहीं। हम पुस्तकों को अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखें और उनके माध्यम से ज्ञान, प्रेम, और प्रेरणा की अनंत यात्रा पर चलें।

हर हाल में नोचने होंगे आतंक के पंख

राजनीति करने के बजाय सरकार के साथ खड़े हो इस मुद्दे पर सभी दल

घनश्याम बादल

आतंकवाद का एक और घिनौना चेहरा एक और करनी प्रत्यय पहलगाम में सामने आया है जब से कश्मीर से धारा 370 हटाई गई है एवं नई विधानसभा का गठन हुआ है तभी से आतंकवाद लगातार सर उठाने का प्रयास करता रहा है सच यह भी है कि वहां आतंकवाद को प्रेशर देने के लिए पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसियां और वहां की राजनीतिक मजबूरियां इसके पीछे सबसे बड़े जिम्मेदार तत्व हैं लेकिन लंबे समय से उन्हें वहां ज्यादा कुछ करने का मौका नहीं मिला था ऐसे में उन्होंने पहलगाम कि उसे बैसरन घाटी को चुना जो अमरनाथ यात्रा का भी एक मुख्य बिंदु है और अमरनाथ यात्रा के दौरान इस क्षेत्र का बहुत अच्छे से सेना एवं स्थानीय सुरक्षा बलों द्वारा सैनिटाइजेशन किया जाता रहा है लेकिन अभी अमरनाथ यात्रा दूर है इसलिए संभव है वहां की सतर्कता कम हुई हो और इसका फायदा आतंकवादियों ने उठकर पहलगाम में पर्यटकों की बड़ी संख्या में जान ले ली।

पहलगाम जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आतंकवादी हमलों के पीछे कई प्रछन्न उद्देश्य हैं। ऐसे हमलों के पीछे आमतौर पर कई कारण और ताकतें होती शामिल हैं ।

यदि पहलगाम के आतंकी हमले पर एक निगाह डाली जाए तो साफ पता चलता है कि इस हमले में पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन कश्मीर घाटी में अस्थिरता फैलाने को आतुर जिम्मेदार हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि इन संगठनों को पाकिस्तान की ख़ुफ़िया एजेंसीज का हमेशा का समर्थन मिलता रहा है। दरअसल पिछले एक लंबे समय से जम्मू कश्मीर शांत क्षेत्र के रूप में तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता हुआ नजर आ रहा था और वहां पर पर्यटन उद्योग भी बहुत फल फूल रहा था और यह बात हमारी ईर्ष्यालु पड़ोसी को निराश आनी थी और एन आई क्योंकि उसका उद्देश्य हमेशा ही भारत में अस्थिरता फैलाना रहा है। आतंकवादी संगठन भारत में सांप्रदायिक तनाव और अस्थिरता फैलाना चाहते हैं ताकि देश की एकता और अखंडता को चोट पहुँचाई जा सके।

पाकिस्तान का हमेशा से ही कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकर करने का प्रयास जग जाहिर है। अब वह सीधे-सीधे तो भारत पर हमला करने की स्थिति में है नहीं क्योंकि उसकी एवं भारत की सैन्य ताक़त में ज़मीन आसमान का अंतर है । ऐसे में वह अपने पाले हुए आतंकी संगठनों का सहारा लेता रहा है। हमलों के ज़रिए ये संगठन दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर खींचना चाहते हैं ताकि उसे एक विवादित क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। यह संगठन अपनी आका के कहने पर कश्मीर के पर्यटन और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने की कोशिश करते रहते हैं । पहलगाम जैसे स्थान, अमरनाथ यात्रा और अन्य पर्यटन केंद्र आतंकियों के निशाने पर इसलिए होते हैं क्योंकि वे कश्मीर की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। हमलों से पर्यटन प्रभावित होता है।

अपनी स्लीपिंग सेल्स के माध्यम से यह संगठन स्थानीय युवाओं का कट्टरपंथीकरण और ब्रेन वाश भी लगातार करते रहे हैं जिससे उन्हें वहां के कुछ गिने-चुने स्थानीय लोगों का समर्थन भी मिल जाता है। ऐसे हमलों के ज़रिए ये ताकतें स्थानीय युवाओं को प्रभावित कर उन्हें उग्रवाद की ओर मोड़ना चाहती हैं।

आतंकवादियों का लक्ष्य किसी भी हाल में भारतीय सुरक्षा बलों का मनोबल तोड़ना भी रहता है। सेना, सी आर पी एफ और पुलिस बलों को निशाना बनाकर आतंकवादी उनके मनोबल को तोड़ने और जनता में भय का माहौल बनाने का प्रयास करते हैं।

इस हमले में जिस टीआरएफ का नाम आया है जो एक नया लेकिन बेहद सक्रिय आतंकवादी संगठन है, जो विशेष रूप से कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सक्रिय रहता है। वास्तव में यह संगठन लश्कर ए तैयबा की ही एक छद्म शाखा है जो 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के कुछ ही समय बाद बना था।अंतरराष्ट्रीय दबाव और प्रतिबंधों के कारण इसका नाम बदलकर एक नया चेहरा दिया गया।

यह संगठन कितना चालाक है कि इसके सदस्य विभिन्न कंपनियां तक में कर्मचारियों के रूप में काम करते हैं टीआरएफ सोशल मीडिया और साइबर स्पेस में भी सक्रिय रहता है, जहाँ ये युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम करता है। रणनीति के तहत यह संगठन आमतौर पर छोटे हथियारों से हमले करता है, जिसमें स्थानीय नागरिक, प्रवासी मज़दूर, पंचायत सदस्य या पुलिस बल के जवान निशाने पर होते हैं। मगर इस बार तो इन्होंने एक-47 जैसी रायफलों का इस्तेमाल करके यह जता दिया है कि अब यह एक साधन संपन्न संगठन है एवं इसे नजर-अंदाज करना बहुत ख़तरनाक हो सकता है।

यह संगठन खुद को स्वदेशी कश्मीरी प्रतिरोध के रूप में पेश करता है, ताकि यह दिखाया जा सके कि ये आंदोलन बाहर से थोपा गया नहीं, बल्कि स्थानीय है । टीआरएफ सोशल मीडिया और इंटरनेट सेवी आतंकी संगठन है जो धमकियाँ देना, ज़िम्मेदारी लेना, वीडियो जारी करना आदि बड़ी सक्रियता के साथ करता है। इसी टीआरएफ ने पिछले कुछ वर्षों में श्रीनगर, बारामुला, अनंतनाग और पुलवामा जैसे इलाकों में कई टारगेटेड किलिंग्स और ग्रेनेड हमलों की ज़िम्मेदारी ली है।

पहलगाम जैसे संवेदनशील क्षेत्र में आतंकवादी हमले की स्थिति में राज्य सरकार और भारत सरकार को त्वरित और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर ठोस कार्रवाई करनी होगी।

इस और ऐसे ही दूसरे संगठनों को खत्म करने हेतु त्वरित प्रतिरोध और ऑपरेशन एनकाउंटर या सर्च ऑपरेशन चलाकर आतंकवादियों को जल्द से जल्द पकड़ना या मारना होगा । सुरक्षाबलों की संख्या और गश्त बढ़ाने, खासकर संवेदनशील क्षेत्रों और यात्रा मार्गों पर (जैसे अमरनाथ यात्रा मार्ग)। इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करने स्थानीय और केंद्रीय एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने।मानव और तकनीकी खुफिया दोनों को बढ़ावा अपनाना होगा। स्थानीय जनता का विश्वास बहाल करना होगा उनके साथ संवाद बढ़ाना होगा ताकि वे आतंकियों का समर्थन न करें और सूचनाएँ साझा करें।

बेशक, वर्तमान सरकार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है और उसे पर शक्ति से चलना भी होगा। लेकिन बिना सोचे समझे और बिना रणनीति के कार्रवाई करना भी एक ग़लत संदेश देगा वही ऐसी हरकतों को चुपचाप सहना या इसमें बहुत देरी करना भी खतरनाक है । कुल मिलाकर अब बारी राज्य एवं केंद्र सरकार की है और उसे अपनी भूमिका बहुत अच्छे से निभाते हुए सिद्ध करना होगा कि भारत अब ऐसी गतिविधियों को किसी भी हाल में सहन करने वाला नहीं है सभी राजनीतिक दलों को भी आगे बढ़कर बजाय राजनीति करने के आतंकियों के ख़िलाफ़ एक जुट होकर सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए।

विदेश की खबरें

चीन ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक जताया

बीजिंग : चीन ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए वेटिकन के साथ काम करते रहने और संबंधों को सुधारने की बात कही है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को कहा, चीन, वेटिकन के साथ काम करते रहने और संबंधों को सुधारने के लिए तैयार है। चीन का कैथोलिक समुदाय उस समय विभाजित हो गया था जब कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई और उसने वेटिकन से परामर्श के बिना बिशपों की नियुक्ति पर अपना अधिकार जताया। साल 2018 में फ्रांसिस ने चीन के साथ समझौता किया, जिसके तहत रोम को चीन में बिशपों की नियुक्ति की अनुमति मिली। वर्ष 2024 में अनंतिम समझौते का नवीनीकरण किया गया।

रूस ने यूक्रेन के ओडेसा और जापोरीजिया को निशाना बनाया

कीव : रूसी ड्रोन ने यूक्रेनी बंदरगाह शहर ओडेसा पर हमला किया जबकि ग्लाइड बमों के जरिये जापोरीजिया को निशाना बनाया गया। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को दी। वहीं क्रेमलिन ने फिर कहा कि वार्ताकारों को युद्ध को लेकर शांति वार्ता में शीघ्र सफलता मिलने की संभावना नहीं है। युद्ध पर चर्चा के लिए यूक्रेनी, ब्रिटिश, फ्रांसीसी और अमेरिकी अधिकारी बुधवार को लंदन में मिलने वाले हैं। इस बात को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है कि क्या कूटनीतिक प्रयास रूस द्वारा अपने पड़ोसी पर पूर्ण आक्रमण के बाद से तीन साल से अधिक समय से जारी लड़ाई को रोक पाएंगे। रूस द्वारा 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप पर आक्रमण करने और अवैध रूप से नियंत्रण करने के बाद से शत्रुता बढ़ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता अब ऐसे स्तर पर पहुंच चुकी है, जिसमें कुछ निष्कर्ष निकलना चाहिए, लेकिन दोनों में से कोई भी देश उनके (ट्रंप) युद्ध समाप्त कराने के प्रयासों का समर्थन नहीं कर रहा है। ट्रंप ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को चेतावनी देते हुए कहा था कि आने वाले दिनों में अगर रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई तो अमेरिका दोनों देशों के बीच शांति समझौता कराने के प्रयासों को छोड़कर आगे बढ़ सकता है क्योंकि कई महीने तक प्रयास करने के बावजूद अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। रुबियो ने कहा है कि बुधवार की बैठक यह निर्धारित करने में निर्णायक हो सकती है कि ट्रंप प्रशासन इसमें अपनी भागीदारी जारी रखेगा या नहीं। हालांकि क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने चेतावनी देते हुए कहा कि ''समझौते का मुद्दा इतना जटिल है कि इस पर कोई सख्त समयसीमा लगाना और किसी समझौते, किसी व्यवहार्य समझौते के लिए कोई छोटी समय-सीमा निर्धारित करना गलत होगा।''

बांग्लादेश ने हिंदू नेता की मौत पर भारत के आरोप को खारिज किया

ढाका : बांग्लादेश ने भारत के इस आरोप को खारिज कर दिया है कि हाल ही में एक हिंदू नेता की हत्या उनके देश में अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का हिस्सा थी। उत्तरी बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बसुदेबपुर गांव के निवासी हिंदू समुदाय के 58 वर्षीय नेता भाबेश चंद्र रॉय का शव बृहस्पतिवार रात को बरामद किया गया। उनके बेटे ने दावा किया है कि रॉय को ढाका से लगभग 330 किलोमीटर दूर स्थित उनके गांव से कथित तौर पर अगवा किया गया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल-आलम ने सोमवार को सरकारी समाचार एजेंसी 'बांग्लादेश संवाद संस्था' (बीएसएस) से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि श्री भाबेश चंद्र रॉय की मृत्यु को अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के 'व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न' के हिस्से के रूप में वर्णित किया गया है।

वर्ग पहेली नं. 3071

बायें से दायें:- 1) जनमत, 4) रुकावट; बाधा, 7) निगलना, 9) राजनेता, 10) कंगाल, 11) वसा, 13) एक नशीला तरल पदार्थ, 14) आपाधापी; हाथापाई, 16) इच्छारहित, 18) अधिक; दूसरा, 19) सामूहिक गायन, 20) मुसीबत, 22) पैरगाड़ी, 23) तल्लीन, 24) ख़्याल; विचार, 25) एक मेवा, 27) सामर्थ्य, 28) भूलचूक, 29) चुप्पी.

ऊपर से नीचे:- 1) लुढ़कना; लेटना, 2) एक जलचर, 3) जलथल सीमा भूमि, 4) एक फल, 5) बदज़बानी, 6) शासकीय, 8) कूड़ा, 12) रोगी, 15) संपत्ति आदि का स्वामी, 17) मूल्यकटौती, 18) साधारण, 19) भारत में एक शहर, 20) नियंत्रण; निग्रह; परहेज, 21) छूकर पता लगाना, 22) अधिकार; क्षमता, 26) चमेली की तरह का एक सुगंधित एवं सुंदर फूलोंवाला पौधा.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

ब	रा	ब	री	■	शा	ली	न	■	स
■	■	च	म	च	म	■	शा	र	दा
स	चिं	त	■	क	त	ला	■	बी	स
त्य	■	■	ह	वा	■	ल	हू	■	र्व
भा	ग	दौ	ड़	■	टो	पी	■	वि	दा
मा	र	■	ब	ल्कि	■	ला	द	ना	■
■	म	क	ड़ी	■	ना	■	य	श	स्वी
बी	■	बा	■	दे	व	रा	नी	■	■
ज	वा	ब	दा	र	■	ज	य	पु	र

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3028

					6		2	
5	6	4		8		3		
				5				
7				2			4	
		9			7			1
						9		
1				3		6		2
8					9	4		
		5					7	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सुडोकू पहेली - 3027 का उत्तर

8	2	9	5	1	7	3	4	6
7	4	5	2	3	6	1	8	9
3	6	1	4	8	9	5	2	7
5	7	8	9	2	4	6	1	3
6	3	2	1	5	8	7	9	4
9	1	4	6	7	3	8	5	2
1	9	3	8	6	2	4	7	5
4	8	7	3	9	5	2	6	1
2	5	6	7	4	1	9	3	8

सालबोनी के बाद ग्वालतोड़ में मुख्यमंत्री ममता ने सौर ऊर्जा संयंत्र का किया उद्घाटन

ग्वालतोड़ में सौर ऊर्जा संयंत्र समेत 110 और परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

पश्चिम मेदिनीपुर : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले में 112 मेगावाट क्षमता वाली एक सौर ऊर्जा परियोजना का उद्घाटन किया और राज्य में हाल ही में शुरू की गई विकास परियोजनाओं की सराहना की। उन्होंने परियोजना को सुगम बनाने में मदद करने वाले जर्मन आयोजकों को बधाई दी और कहा कि 80 प्रतिशत धनराशि जर्मनी से, जबकि शेष 20 प्रतिशत राज्य सरकार से आ रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह पूर्वी भारत में इस पैमाने की पहली परियोजना है और इस पहल में अतिरिक्त 100 मेगावाट जोड़े जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि राज्य अतिरिक्त सौर ऊर्जा परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए तैयार है और उसके पास जर्मनों को अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार में सहायता करने के लिए आवश्यक भूमि और सुविधाएं हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में परियोजनाओं के लाभों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अधिक सौर परियोजनाओं से समय के साथ बिजली की कीमत कम करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा कि हालांकि, अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं महंगी हैं, लेकिन राज्य विस्तार की दिशा में धीरे-धीरे कदम उठा रहा है। ममता ने अन्य विकास

कार्यों पर भी बात की, जैसे कि जिंदल द्वारा सालबोनी में दो 800 मेगावाट की बिजली परियोजनाओं की आधारशिला रखना, जिससे लगभग 15,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि जिंदल अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए 2,000 एकड़ का औद्योगिक पार्क विकसित करने की योजना बना रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य के 8 लाख से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं से भी लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेदिनीपुर, झाड़ग्राम में जितनी ज़्यादा सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित होंगी, बिजली की कीमत उतनी ही कम होगी। हालांकि, यह बहुत महंगा है, लेकिन हम धीरे-धीरे इस दिशा में अपने कदम बढ़ाएंगे। कल हमने सालबोनी में दो बिजली परियोजनाओं की आधारशिला रखी। जिंदल द्वारा दो 800 मेगावाट की बिजली परियोजनाएं स्थापित की गईं। इससे लगभग 15,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होगा। इसके अलावा, जिंदल द्वारा वहां 2,000 एकड़ में एक औद्योगिक पार्क बनाया जाएगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य में रुचि रखने वाले लोग उस पार्क में व्यवसाय कर सकें। ममता ने आश्वासन दिया कि बंगाल का विकास जारी है, उन्होंने देवचा पचामी जैसी सफल परियोजनाओं का हवाला दिया, जिसने अगले 100 वर्षों के लिए राज्य में लोड शेडिंग की समस्या को खत्म कर दिया और हज़ारों रोजगार के अवसर पैदा किए।

'राष्ट्रपति शासन लगाना है तो केंद्र सरकार पर लगाएं'

मुर्शिदाबाद हिंसा पर भाजपा के आरोपों पर शत्रुघ्न सिन्हा का पलटवार

नई दिल्ली/कोलकाता : पश्चिम बंगाल में वक्फ बिल संशोधन को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद भड़की हिंसा को लेकर लगातार भाजपा राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रही है। इसी को लेकर आसनसोल सीट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार पर राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर कहा कि यह मुख्य रूप से बंगाल और बिहार के चुनाव की वजह से ही हुआ है। इसी के साथ भाजपा की तरफ से राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि अगर कहीं राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिए, मेरे मुताबिक, यह केंद्र की सरकार पर लगना चाहिए, ताकि यह सब हरकत न करें, यह डिवाइड एंड रूल की पॉलिसी न अपनाए। टीएमसी सांसद ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि हमारे लोगों के बीच यह तनाव न पैदा करें। चुनाव के वक्त में यह तनाव पैदा कर रहे हैं। साफ इसका मकसद समझ में आ रहा है। सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा

कि बंगाल में इतनी सुख-शांति है कि देश में कहीं नहीं होगी, मैं वहीं का सांसद हूं अभी, असासनसोल जो में चारों तरफ भाईचारे के नारे लग रहे हैं, पूरे बंगाल में ऐसा है। 30 से 35 फीसदी वहां मुस्लिम परिवार रहते हैं, आज तक तो मैंने नहीं सुना कि वहां कोई दंगा, कोई फसाद हुआ हो।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एएलटी-बीडब्ल्यूएनआरआरआई-25-आरई2, दिनांक 21.04.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-एएलटी-बीडब्ल्यूएनआरआरआई-25-आरई2 के तहत दो पैकेट प्रणाली में खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **बंद होने की तारीख** 13.05.2025 **को अपराह्न** 3.00 **बजे। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।** **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल के एचडीएन रूट में ट्रैफिक सुविधा कार्य के संबंध में बर्द्धमान आरआरआई का बदलाव। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 17,82,72,789.12; **बयाना राशि/बोली सुरक्षाः** रु. 10,41,400; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0/-; **प्रस्ताव की वैधताः** 90 दिन। **समापन अवधिः** 270 दिन। **बोली शुरू होने की तारीखः** 29.04.2025.

(HWH-39/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पार्टी विधायक के चश्मे का बिल 65 हजार रुपये देख ममता हुईं हैरान, अब मिलेगा सिर्फ पांच हजार

✒ विधानसभा स्पीकर से चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ने तय कर दी चश्मे पर अधिकतम खर्च

✒ विधायकों के लिए अस्पतालों में बेड खर्च भी 8,000 रुपये प्रतिदिन तक सीमित

कोलकाता, समाज्ञा : मुर्शिदाबाद जिले के एक विधानसभा क्षेत्र से तीन बार तृणमूल के टिकट पर विधायक बने हैं। उन्होंने 65,000 रुपये चश्मा का बिल विधानसभा में जमा किया था, ताकि भुगतान मिल जाए। संयोगवश, उस समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी के कक्ष में मौजूद थी। उन्होंने बिल देखकर जिज्ञासावश जानना चाहा कि कितने रुपये का है। बिल की राशि सुनकर मुख्यमंत्री हैरान रह गईं। इसके बाद, स्पीकर और मुख्यमंत्री के बीच विधायकों के मेडिकल बिल पर चर्चा हुई। तय हुई है कि विधायकों को चश्मे का बिल अधिकतम पांच हजार रुपये ही मिलेगा, इससे अधिक नहीं। इसके साथ ही विधायकों के लिए अस्पतालों में बेड खर्च भी 8,000 रुपये प्रतिदिन तक सीमित कर दिया गया है। विधानसभा सचिवालय ने इस संबंध में प्रभावी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बता दें कि विधानसभा सचिवालय विधायकों के चिकित्सा व्यय का वहन करता है। कई मामलों में, विधानसभा अधिकारियों को विधायकों के अत्यधिक चिकित्सा बिलों की चिंता करनी पड़ती है। यदि किसी मेडिकल बिल में 'असंगती' या 'अत्यधिक' व्यय दर्शाया जाता है, तो इसे स्पीकर बिमान बनर्जी के ध्यान में लाया जाता है। जब ऐसा ही एक बिल स्पीकर के समक्ष पेश किया गया तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वहां मौजूद थीं। विधायक के चश्मे की कीमत सुनकर वह हैरान रह गईं। इसे लेकर सीएम ने स्पीकर से पूछा कि क्या विधायकों के चिकित्सा व्यय की कोई सीमा निर्धारित है? फिर, दोनों ने इस मामले पर चर्चा की। इसके बाद, स्पीकर ने विधानसभा सचिवालय को निर्देश दिया कि अब से किसी भी विधायक को नया चश्मा बनवाने के लिए 5,000 रुपये से अधिक राशि नहीं दी जाएगी। चिकित्सा कारणों से भर्ती होने पर अस्पताल के बेड का किराया प्रतिदिन 8,000 रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए।

'हिंदू और मुसलमानों के लिए हों अलग-अलग मतदान केंद्र', शुभेंदु अधिकारी की चुनाव आयोग से मांग

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा ने मंगलवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से हिंदुओं के लिए अलग पोलिंग बूथ स्थापित करने के लिए कहा है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने चुनाव आयोग से हिंदू और मुस्लिम पोलिंग बूथ को अलग करने की मांग की। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार के कुशासन के चलते पश्चिम बंगाल में हिंदू बेहद संकट में हैं। वो राज्य में कई स्थानों पर लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल और वोट भी नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि जिन क्षेत्रों में हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वहां हिंदू मतदाताओं को डराने-धमकाने और वोट डालने से रोकने के मामले सामने आए हैं। भाजपा नेता ने न सिर्फ जहां भी समुदाय अल्पसंख्यक है, वहां हिंदुओं के लिए अलग मतदान केंद्र

की मांग की, बल्कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से यह भी कहा कि ऐसे मतदान केंद्रों को ऐसी जगह पर बनाया जाना चाहिए जहां पहुंचने के लिए मुस्लिम मोहल्लों से गुजर कर न जाना पड़े। भाजपा विधायक ने कहा कि मैं राज्य के सीईओ मनोज अग्रवाल से बूथ मैपिंग (उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए जहां हिंदू अल्पसंख्यक हैं) तुरंत शुरू करने का अनुरोध करता हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि वो जल्द ही चुनाव आयोग को इस मामले को लेकर एक ज्ञापन सौंपेंगे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसजी.टेंडर/डीएसटीई/एसडीएएच/536, दिनांक 21.04.2025; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **ई-निविदा सं.: एसडीएसटीई/टेली/टी/25/24-25/आरआरएसके। कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः** सियालदह मंडल के तहत इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेट पर वॉयस रिकार्डिंग सुविधा के साथ गेट टेलीफोन का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** रु. 2,04,91,445.93। **जमा की जाने वाली बयाना राशिः** रु. 2,52,500/-। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **कार्य समापन की अवधिः** 9 महीने। **निविदा जमा शुरू होने की तारीखः** 05.05.2025। **निविदा जमा करने की अंतिम तारीखः** 19.05.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक। **निविदा बोली खुलने की तारीखः** 19.05.2025 को अपराह्न 2.30 बजे। **विवरण जहां उपलब्ध हैः** www.ireps.gov.in. **पात्रता के तकनीकी मानदंडः** निविदादाताओं द्वारा पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निविदा आमंत्रित किए जाने वाले माह से पहले महीने के अंतिम दिन तक, नीचे उल्लेखित श्रेणियों में से किसी भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा अथवा काफी हद तक सम्पन्न किया होना चाहिए: (i) समतुल्य प्रकृति के तीन कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (ii) समतुल्य प्रकृति के दो कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (iii) समतुल्य प्रकृति का एक कार्य, जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए। **पात्रता के वित्तीय मानदंडः** निविदादाता के पास वी/एन अथवा 'वी' जो कम हो का न्यूनतम औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार किया होना चाहिए, जहां वी=निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन=कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोली आमंत्रित की गई है। औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना लेखा परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्षों में "कुल अनुबंधकीय भुगतान" के औसत के रूप में किया जाएगा। हालांकि, पिछले वर्ष के तुलन पत्र के तैयार होना/लेखा परीक्षण होना बाकी रहने की स्थिति में औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जाएगा। निविदादाताओं को जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-VIबी (इस निविदा दस्तावेज का प्रपत्र-6) के अनुसार अपेक्षित जानकारी के साथ चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा भलीभांति सत्यापित लेखा परीक्षित तुलनपत्र/लेखा परीक्षित तुलन पत्र के साथ भलीभांति समर्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र जमा करना होगा। **जमा किए जाने वाले अन्य दस्तावेजः** जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेखित है। **समतुल्य प्रकृति का कार्यः** किसी भी एसएंडटी इंस्टॉलेशन में पैनल इंटरलॉकिंग अथवा रूट रिले इंटरलॉकिंग अथवा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग अथवा आईबीएच अथवा ऑटोमेटिक सिग्नलिंग अथवा लेवल क्रॉसिंग गेट इंटरलॉकिंग अथवा डबल डिस्टेंस सिग्नलिंग अथवा वॉयस लॉगर अथवा डेटा लॉगर के कार्य को समतुल्य प्रकृति का कार्य माना जाएगा। **टिप्पणीः** निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में यथा उल्लेखित पात्रता के मानदंडों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज जमा करने होंगे। निविदादाता द्वारा अनुशंसापत्रों के समर्थन में जमा किए गए दस्तावेज/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता अथवा निविदाकारी प्रतिष्ठान के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं सत्यापित/डिजिटली रूप में हस्ताक्षर किया होना चाहिए। स्वयं सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर तथा तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होनी चाहिए।

(SDAH-23/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

Bhanderhati (1) Gram Panchayat
Vill.+P.O.: Bhanderhati, P.S.: Dhaniakhali, Dist.: Hooghly

Notice Inviting e-Tender

e-tender of the following works are invited by Prodhan, Bhanderhati-I Gram Panchayat from experienced and resourceful, GST registered bidders for execution the works vide **NIT No- WB/HG/DNK/BHT-1/NIT-01/2025-26, Date: 22/04/2025,** Name of Work- Const. of Conc. Drain from Serpur H/o. Dilip Ghosh to Smashan under Bhanderhati-I GP. Bid Submission Start date (online): **23/04/2025 at 10.30 A.M.** Bid Submission Closing Date (online): **07/05/2025 at 04.00 P.M.** Bid opening Date for Technical proposals (online) : **13/05/2025 at 12.00 A.M.** For more details visit **www.wbtenders.gov.in** & undersigned GP Office.

Sd/-
Prodhan
Bhanderhati (1) Gram Panchayat

Office of the Municipal Councillors
Serampore Municipality
1, N. S. Avenue, Serampore, Dist.: Hooghly, Pin: 712201

Notice Inviging e-Tender

e-Tender of the following works are invited by Chairman, Serampore Municipality from experienced and resourceful, GST registered bidders for execution the works vide **NIT No.- WBMAD/ULB/SRMP/NIT-03/2025-26, Date: 22/04/2025,** Name of Work- Const. of Proposed Car Parking and Washing Center at Plot No- 1194, Khatian No- 7600, Mouza- Mahesh, Ward No- 27 under Serampore Municipality. Bid Submission Start Date (online): **22/04/2025 at 06.00 PM.** Bid Submission Closing Date (online): **15/05/2025 at 06.00 PM.** Bid Opening Date for Technical Proposals (online): **17/05/2025 at 06.00 PM.** For details of the project go through **http://wbtenders.gov.in** and **www.seramporemunicipality.net/tenders**

Sd/-
Chairman
Serampore Municipality

महिला नेता से अश्लील चैट वायरल, पूर्व माकपा सांसद बंसगोपाल चौधरी पर यौन उत्पीड़न का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में सीपीएम नेताओं पर महिला संबंधी विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। पूर्व मंत्री सुषांत घोष और पूर्व विधायक तन्मय भट्टाचार्य के बाद अब पश्चिम बर्दवान जिले के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बंसगोपाल चौधरी पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। पार्टी की एक महिला नेता से कथित तौर पर 'अश्लील चैट' के स्क्रीनशॉट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बंसगोपाल चौधरी को घेरा जा रहा है। आरोप लगाने वाली महिला नेता मुर्शिदाबाद जिले की हैं और जियागंज-आजिमगंज नगरपालिका की पूर्व पार्षद रह चुकी हैं। उन्होंने फेसबुक और व्हाट्सएप पर प्राप्त कथित आपत्तिजनक संदेशों के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए बंसगोपाल पर आरोप लगाए। इसके बाद, यह मामला सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। महिला नेता का कहना है कि बंसगोपाल अक्सर उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी करते थे और उन्हें उत्साहित करते थे। शुरुआत में, उन्होंने इसे पार्टी सीनियर का समर्थन समझा, लेकिन नवंबर 2023 में बंसगोपाल ने रात में अश्लील संदेश भेजने शुरू कर दिए। उन्होंने इसकी शिकायत जिले के सीपीएम सचिव से भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला नेता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके द्वारा पार्टी को सौंपे गए दस्तावेज लीक हो रहे हैं, जिससे उन्हें अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता हो रही है। उन्होंने कहा, मैं डरी हुई हूं। मुझे पार्टी से कोई सुरक्षा नहीं मिल रही। उधर, बंसगोपाल चौधरी ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया। उनका कहना है कि पार्टी के अंदर और बाहर से कुछ लोग मिलकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस ने सुकांत मजूमदार व अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

हाजरा में मुर्शिदाबाद हिंसा के पीड़ितों के लिए कर रहे थे धन इकट्ठा

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और कई अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं को उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे मुर्शिदाबाद हिंसा के पीड़ितों के लिए धन इकट्ठा करने के वास्ते मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास से कुछ ही दूरी पर कोलकाता के हाजरा मोड़ पहुंचे थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मजूमदार ने पुलिस द्वारा एक वैन में धकेले जाने के दौरान संवाददाताओं से कहा कि हम मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए धन इकट्ठा करने आए थे। क्या प्रभावित लोगों के लिए धन मांगना कोई अपराध है? क्या हम विरोध नहीं कर

सकते? यह हमारा मौलिक अधिकार है। पुलिस ने इलाके से अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले लिया। इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह एक अत्यधिक सुरक्षा वाला स्थान है और कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाने वालों को पूर्व अनुमति लेनी होगी। उन्हें (भाजपा को) स्थानीय थाने से अनुमति लेनी चाहिए थी।

पूर्व रेलवे

मई 2025 महीने के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम

सं.: एस.4/एस/डीएपी/2025-26 दिनांक: 21.04.2025

मुख्य सामग्री प्रबंधक/एडमिन, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नानुसार नीचे उल्लेखित डिपो/मंडल के लिए ई-नीलामी संचालित की जाएगी : **क्रमांक, डिपो/मंडल, क्षेत्राधिकार, तारीख** क्रमशः निम्नलिखित हैं: (1) बीईएसवाई डिपो, बीईएसवाई डिपो, हावड़ा एवं आसनसोल मंडल, 15.05 एवं 17.05.2025; (2) हालीशहर डिपो, हालीशहर डिपो एवं सियालदह मंडल; 16.05 एवं 28.05.2025; (3) जमालपुर डिपो; जमालपुर डिपो एवं मालदा मंडल; 09.05 एवं 26.05.2025; (4) हावड़ा मंडल, हावड़ा मंडल; 08.05 एवं 22.05.2025; (5) आसनसोल मंडल, आसनसोल मंडल; 09.05 एवं 21.05.2025; (6) सियालदह मंडल, सियालदह मंडल; 15.05 एवं 23.05.2025; (7) मालदा मंडल, मालदा मंडल; 07.05 एवं 29.05.2025. वि. द्र.: ई-नीलामी की अनुसूची, अन्य विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। (STORES-06/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

नीलामी सूचीपत्र

प्रशासनिक इकाई/जोनः सियालदह मंडल-वाणिज्य, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014, **नीलामी सूचीपत्र सं.:** एसडीएएच-पार्सल-41; **नीलामीकर्ता प्राधिकारीः** सीनि. डीसीएम/सियालदह, **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** दिनांक 02.05.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। **नीलामी समाप्त होने की तारीख/समयः** 02.05.2025 को पूर्वाह्न 11.50 बजे। **स्वतः विस्तारित जोनः** 120 सेकेंड, **स्वतः विस्तारित अवधिः** 120 सेकेंड। **प्रारम्भिक कूलिंग ऑफ अवधिः** 30 मिनट। **अनुक्रमिक लॉट समापन अंतरालः** 10 मिनट। **अधिकतम स्वतः विस्तारः** 10 बार। **विवरणः** एसएलआर कोचों (सिंगल कम्पार्टमेंट) में पार्सल की जगह। **सिक्वेंस सं., लॉट नं./श्रेणी, ट्रिप/दिन, बंद होने की तारीख/समय** क्रमशः निम्नलिखित हैः एए/1, 13165-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-एसएचसी-25-1 (पार्सल-एसएलआर), 209, 02.05.2025/पूर्वाह्न 11.30 बजे। एए/2, 13105-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-बीयूआई-24-1 (पार्सल-एसएलआर), 312, 02.05.2025/पूर्वाह्न 11.40 बजे। एए/3, 13105-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-बीयूआई-24-1 (पार्सल-एसएलआर), 312, 02.05.2025/पूर्वाह्न 11.50 बजे। **दर इकाईः** प्रति ट्रिप लाइसेंस शुल्क। **न्यूनतम वृद्धि (%):** सभी के लिए 0.2। **ईएमडी :** सभी के लिए 10%। **लॉट की स्थितिः** सभी के लिए आरपी लंबित। (SDAH-24/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कुम्हारटोली के बाद अब बागुईआटी में सूटकेस के अंदर मिली महिला की लाश

✒ मृतका के चेहरे पर लगा था सेलो टेप, शरीर पर चोट के निशान

कोलकाता, समाज्ञा : बागुईआटी इलाके में मंगलवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक काले रंग के ट्रॉली बैग से एक युवती की लाश बरामद हुई। मृतका के चेहरे पर भूरे रंग का सेलोटेप चिपका हुआ था, जिससे प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। घटना देशबंधु नगर की है, जहां एक सुनसान और कूड़े से भरे इलाके में लावारिस हालत में ट्रॉली बैग पड़ा देखा गया। स्थानीय लोगों को बैग पर शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बागुईआटी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब ट्रॉली खोली तो उसमें युवती का शव मिला। मृत युवती की

शिनाख्त फिलहाल नहीं हो पाई है। शव की स्थिति और चेहरे पर सेलोटेप होने से साफ है कि उसे मारने के बाद बड़ी सफाई से लाश को ठिकाने लगाने की कोशिश की गई। पुलिस ने हत्या की आशंका जताते हुए इलाके के निवासियों से पूछताछ शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि ट्रॉली बैग को फेंकने वाले व्यक्ति या वाहन का पता चल सके।

बताया जा रहा है कि कुछ ही दिन पहले कोलकाता के ही मध्यमग्राम इलाके में भी एक युवती की लाश ट्रॉली बैग से बरामद हुई थी। उस मामले की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि यह दूसरी घटना सामने आ गई है, जिससे शहर में दहशत का माहौल बन गया है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह किसी संगठित अपराध का हिस्सा भी हो सकता है। फिलहाल, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

राज्यपाल बोस को बाईपास पर स्थित निजी अस्पताल किया गया शिफ्ट

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस को निजी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। बीते दिन सीने में जकड़न की वजह से उन्हें पूर्वी कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उन्हें मंगलवार को आगे की जांच के लिए एक निजी

अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यपाल बोस की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। उन्हें पूर्वी मेट्रोपॉलिटन बाईपास पर स्थित निजी अस्पताल में ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल को आज एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, क्योंकि डॉक्टरों ने कुछ चिकित्सा परीक्षण निर्धारित किए हैं। वह टेस्ट निजी अस्पताल में ही किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन चिकित्सा परीक्षणों के आधार पर उपचार का अगला कोर्स निर्धारित किया जाएगा। बता दें कि राज्यपाल ने शनिवार की रात मुर्शिदाबाद के दंगा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से लौटने के बाद सीने में तकलीफ की शिकायत की थी।

सियालदह मंडल के तहत सभी ईएमयू लोकलों में महिला के लिए निर्धारित कोचों की संख्या में बढ़ोतरी

सं.: सीसी3/एडीडीएल ट्रेन/पीटी.IV दिनांक: 21.04.2025

सियालदह मंडल में ईएमयू ट्रेन सेवाओं के माध्यम से करोड़ों की संख्या में यात्रियों का परिवहन किया जाता है। इस उद्देश्य के लिए सियालदह मंडल के सभी ईएमयू सेवाओं को 09 कोचों से 12 कोचों की सेवा में रूपांतरित कर दिया गया है। आगे यह देखा गया है कि समय के दौरान, सभी उपनगरीय रूटों में महिला यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ट्रेन यात्रा के दौरान महिला यात्रियों को सुरक्षा, संरक्षा एवं आराम प्रदान करने के लिए महिलाओं के लिए निर्धारित कोचों की संख्या में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है। फलस्वरूप, **सियालदह मंडल में चलने वाली सभी ईएमयू लोकलों में दोनों छोर से सम्पूर्ण द्वितीय कोच की वर्तमान आसन व्यवस्था के साथ दोनों छोर से तृतीय कोच (वेंडर कोच) के साधारण हिस्से को अतिरिक्त रूप से महिला यात्रियों के लिए निर्धारित किया गया है।**

मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिणी बंगाल के कुछ हिस्सों में उष्ण लहर चलने की संभावना

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिणी पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में उष्ण लहर चलने की संभावना है, जहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि राज्य में अगले तीन दिन के दौरान दिन के तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने का पूर्वानुमान है। उसने बताया कि बीरभूम, पुरुलिया, झाड़ग्राम, बांकुड़ा और पश्चिम बर्दवान जिलों में 26 अप्रैल तक उष्ण लहर चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, दिन और रात के दौरान उच्च सापेक्ष आर्द्रता होने से लोगों को परेशानी हो रही है। आईएमडी ने बताया कि तटीय जिलों में अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता 80 से 90 प्रतिशत और आंतरिक जिलों में 70 से 80 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

वृद्धा की गला काटकर हत्या, बेटा और बहू गिरफ्तार

✒ हातिशाला थाना अंतर्गत बेओनता दक्षिणपाड़ा गांव की घटना

कोलकाता : दक्षिण 24 परगना जिले के पोलरहाट थाना क्षेत्र के बेओनता दक्षिणपाड़ा गांव में एक 79 वर्षीय वृद्धा की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान काजल मंडल (79) के रूप में हुई है। यह घटना 19 अप्रैल की सुबह सामने आई, जब उनके बेटे ने उन्हें अपने कमरे में अचेत अवस्था में पाया। पोलरहाट थाना को 19 अप्रैल को सुबह लगभग 10:40 बजे सूचना मिली कि एक वृद्धा अपने बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़ी हैं, और उनकी गर्दन पर चोट के निशान हैं। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मृतका की पहचान की गई। परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि

काजल मंडल आर्थराइटिस (गठिया) की बीमारी से पीड़ित थीं और ठीक से चल नहीं सकती थीं। 18 अप्रैल की रात वे अपने कमरे में अकेले सोई थीं। अगले दिन सुबह करीब 8 बजे उनका बेटा, राजू मंडल (50) जब कमरे का दरवाजा खोलने गया, तो उसने मां को अचेत अवस्था में पाया और उनकी गर्दन पर गहरे घाव का निशान देखा। काजल मंडल को तुरंत आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में हातिशाला थाना में यूडी केस संख्या 07/25 दर्ज किया। पोस्टमार्टम आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज में हुआ, जिसमें डॉक्टरों ने मौखिक रूप से बताया कि यह मौत पूर्व-घटनात्मक और हत्या के कारण हुई है।

इसके बाद पोलरहाट थाना के एसआई रबी शंकर नस्कर की स्वतः शिकायत पर हातिशाला थाना में 20 अप्रैल को केस संख्या 84/25 दर्ज किया गया। मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत दर्ज किया गया है। जांच के दौरान मृतका का बेटा राजू मंडल और उसकी पत्नी सोमा मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या के पीछे की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

'योग्य-अयोग्य अलग नहीं होने तक जारी रहेगा आंदोलन'

एसएससी चेयरमैन के साथ बैठक के बाद भी बेरोजगार शिक्षक अड़े, आंदोलन तेज करने का लिया संकल्प

कोलकाता, समाज्ञा : उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद अपनी नौकरी खो चुके हजारों शिक्षकों ने मंगलवार को अपना आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने सॉल्टलेक में स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) के मुख्यालय के बाहर रात भर अपना प्रदर्शन जारी रखा। चिलचिलाती धूप में 2,000 से अधिक की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एसएससी मुख्यालय का घेराव किया और इसके अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार सहित अधिकारियों को आने और जाने से रोक दिया, जो सोमवार की शाम से ही इमारत के अंदर हैं। प्रदर्शनकारी आयोग से योग्यता के आधार पर भर्ती किए गए उम्मीदवारों और रिश्वत देकर नियुक्ति पाने वाले उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित करने की मांग कर रहे हैं। आयोग परिसर के आसपास और अधिक अवरोधक लगा दिए गए हैं तथा सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों ने खाली बोतलें बजाईं और न्याय के लिए नारे लगाए। उन्होंने आयोग पर 'लगातार झूठ बोलने' का आरोप लगाया और राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु के आश्वासन को 'कानूनी सलाह की आड़ में विश्वासघात' करार दिया। एसएससी भवन के बाहर प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब आयोग ने शिक्षकों के प्रतिनिधियों के साथ एक और दौर की बैठक के बाद भी सोमवार की शाम तक सूची प्रकाशित नहीं की। एसएससी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने सोमवार की देर रात एक बयान में कहा कि आयोग सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि सेवा प्रदान करने वाले (बेरोजगार) शिक्षकों को वेतन दिया जाए। मजूमदार ने 21 अप्रैल की समय सीमा के मुताबिक सभी 'दागी/बेदाग' उम्मीदवारों की सूची पोस्ट करने के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया और कहा कि 2016 में शिक्षकों की भर्ती के मामले के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि एसएससी माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पालन करेगा। उन्होंने बयान में कहा कि विभाग द्वारा सूचित किया गया है कि जिन शिक्षकों ने सेवाएं दी हैं, उनका वेतन मौजूदा प्रणाली के अनुसार वितरित किया जाएगा।

शिक्षकों के साथ मजबूती से खड़े हैं, उनके हितों के लिए काम कर रहे हैं : ब्रात्य बसु

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार उन स्कूली शिक्षकों के साथ मजबूती से खड़ी है, जिन्होंने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद अपनी नौकरी खो दी है।

उन्होंने शिक्षकों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इस दिन, ब्रात्य बसु ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदर्शनकारी शिक्षकों से किसी भी ऐसे काम से दूर रहने का आग्रह किया, जिससे राज्य सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर की जाने वाली समीक्षा याचिका कमजोर हो। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार प्रदर्शनकारी शिक्षकों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हर तरह की मदद का आश्वासन दिया है। हम उन लोगों के हित में काम कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है। उन्होंने कहा कि हम समीक्षा याचिका दायर कर रहे हैं। इसलिए, मैं आंदोलनकारी शिक्षकों से अनुरोध करता हूं कि वे ऐसा कोई काम नहीं करें जिससे हमारी याचिका कमजोर हो, जिससे उच्चतम न्यायालय के आदेश का उल्लंघन हो या उनके या हमारे द्वारा न्यायालय की अवमाननाहो।

पटाशपुर में सास की हत्या की कोशिश के आरोप में बहु गिरफ्तार

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के पटाशपुर थाना अंतर्गत चंदनपुर इलाके में सास की गला रेतकर हत्या करने के प्रयास ने एक बहु को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार महिला का नाम अर्पित पहाड़ी रॉय है। पता चला है कि गत सोमवार को पटाशपुर थाना अंतर्गत चंदनपुर गांव निवासी कालाचंद राय का अपनी पत्नी और बेटे की बहू के साथ घरेलू विवाद हुआ था। विवाद के दौरान गुस्से में बहु ने ने अपनी सास के सिर पर डंडे से वार कर किया। वार से सास गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों ने उसे बचाया और एगरा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। ससुर ने पटाशपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बहु को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को गिरफ्तार महिला को कांथी अदालत में पेश किया गया।

मुख्यमंत्री ममता ने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले बंगाल के उम्मीदवारों की सराहना

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य के उन उम्मीदवारों को बधाई दी, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) 2024 परीक्षा उत्तीर्ण की है। ममता ने बताया कि यूपीएससी परीक्षा में पास होने वाले कम से कम पांच अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा संचालित अध्ययन केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है। इस दिन, उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सत्येंद्र नाथ टैगोर सिविल सेवा अध्ययन केंद्र से पढ़ाई करने पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (2024) में शानदार परिणाम प्राप्त करने वाले राज्य के उम्मीदवारों को बधाई और शुभकामनाएं। परिणाम अभी-अभी जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेघना चक्रवर्ती (79), सहरस कुमार (153), पारमिता मालाकार (477), राजदीप घोष (789) और प्रवीण कुमार (837) जैसे उम्मीदवारों ने सत्येंद्र नाथ टैगोर सिविल सेवा अध्ययन केंद्र से प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों ने प्रभावशाली रैंक प्राप्त करके हमारा गौरव बढ़ाया है। वे अब आईएएस/आईपीएस/अन्य शीर्ष सेवाओं में तैनात हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल से भी ऐसे कई लोग हैं जो अखिल भारतीय परीक्षाओं में सफल हुए हैं और उन्हें भी अब शीर्ष सेवाओं में प्रवेश मिलना चाहिए।

मेदिनीपुर कॉलेज अत्याचार मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन, सुनवाई विशेष अदालत में

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता हाईकोर्ट ने मेदिनीपुर कॉलेज में दो वाम छात्र नेताओं पर अत्याचार के दो मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया है। इस एसआईटी की अगुवाई आईपीएस अधिकारी मुरलीधर शर्मा करेंगे। एसआईटी के अन्य सदस्य कौन होंगे, यह वही तय करेंगे। इन मामलों की सुनवाई अब से मेदिनीपुर की विशेष अदालत में होगी, ऐसा आदेश कोर्ट ने दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मानवाधिकार से संबंधित मामलों की सुनवाई करने की क्षमता मेदिनीपुर की विशेष अदालत के पास है। कोर्ट ने इस दिन कहा कि सुचरिता दास के मामले में हिरासत में अत्याचार के प्रमाण के रूप में सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध है। इस फुटेज में कुहेली दास नामक एक कांस्टेबल को सुचरिता के बालों का मुट्ठी पकड़कर उसे धक्का देते हुए देखा जा सकता है। इस मामले में संबंधित डिप्टी एसपी द्वारा दिया गया रिपोर्ट भी विश्वसनीय नहीं माना गया है, क्योंकि कोर्ट के अनुसार सीसीटीवी फुटेज और रिपोर्ट में कोई मेल नहीं है। वहीं, सुप्रीता सोरेन के मामले में एफआईआर की स्वीकार्यता पर अदालत ने संदेह जताया है।

मेदिनीपुर कॉलेज में जादवपुर विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में हुए अभूतपूर्व अशांति के बाद माहौल गर्म हो गया था। वाम छात्र संगठनों ने जब कॉलेज के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, तब छात्रों पर पुलिस अत्याचार का आरोप लगा। आरोप है कि पुलिस ने दो छात्रों को थाना ले जाकर उनके ऊपर मोम डाला और उनके बालों का मुट्ठी पकड़कर उन्हें धक्का दिया। इस मामले में सुचरिता दास और सुप्रीता सोरेन ने कोलकाता हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने मामले की जांच की जिम्मेदारी आईजी (प्रशिक्षण) मुरलीधर शर्मा को सौंपी थी। अब कोर्ट ने इस मामले में एसआईटी गठन का निर्देश दिया है।

बंगाल में शांति-सदभावना के लिए निकाली रैली

कोलकाता : मुर्शिदाबाद हिंसा सहित तमाम घटनाओं के मद्देनजर बंगाल की तस्वीर को नुकासन पहुंच रहा है। ऐसे में राज्य में शांति बनी रहे व दगांईयों के खिलाफ आज मौलाली से धर्मतल्ला तक एक मौन शांति संप्रीति रैली का आयोजन किया गया। आल इंडिया मतुआ महसंघ लिगल सेल के चेयरमैन व सुप्रीम कोर्ट के वकील मुकुल विश्वास ने उक्त जानकारी दी। मुकुल विश्वास ने मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत में कहा कि बंगाल दुनिया भर में शांति व अपनी एक अलग संस्कृति के लिए ख्यात है लेकिन इन दिनों यहां जिस तरह से भेदभाव व हिंसा के हालात उपजे है यह ठीक नहीं है। उक्त दौरान रैली में पूर्व आईपीएस कल्याण मलिक, पूर्व डीएसपी अनिल कुमार राय, बैरिस्टर सुब्रत चक्रवर्ती सहित साधु सन्यासी व अन्य धर्म को प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

पत्नी के साथ दक्षिणेश्वर मंदिर में दिलीप घोष ने की पूजा अर्चना, राज्य और जनता के कल्याण के लिए प्रार्थना

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व पूर्नव सांसद दिलीप घोष ने शादी के बाद मंगलवार को अपनी नवविवाहिता पत्नी रिंकु मजूमदार के साथ दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। विवाह के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति रही, जहां वे अपनी मां पुष्पलता देवी और पत्नी के साथ दक्षिणेश्वर पहुंचे। पूजा के उपरांत दिलीप घोष ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य और जनता के कल्याण के लिए मां से प्रार्थना की है। उन्होंने कामना की कि वे अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन कर सकें। हालांकि, इस धार्मिक यात्रा के दौरान भी राजनीति छाई रही। दिलीप घोष और उनकी पत्नी रिंकु ने शिक्षक भर्ती घोटाले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार से बातचीत और आंदोलन किसी काम के नहीं हैं। उनका कहना था कि अब इस मुद्दे का समाधान केवल अदालत के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सभी की बात सुनता है। हम चाहते हैं कि 18 हजार नौकरी से वंचित योग्य लोगों को न्याय मिले। इस मौके पर उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनना तय है। दिलीप घोष और रिंकु मज़ूमदार दोनों ने एक स्वर में यह बात दोहराई।

हिंदू हुंकार रैली के हिन्दू सुरक्षा मंच के आह्वान पर मंगलवार की सुबह सियालदह व हावड़ा रेलवे स्टेशन के सामने एकत्रित होकर धर्मतल्ला चौक पर विधायिक अग्निमित्रा पॉल, तापस राय, तमोघ्नो घोष, किशन झंवर, भोला प्रसाद सोनकर, कमलेश सिंह, शरद सिंह, संजय मिश्रा,प्र मोद सिंह, तानूं श्री राय, पंकज सिंघानिया, संजय बर्मा, राजेश राय, राजकुमार कुंवर, बबलू सोनकर व अन्य सनातनी लोगों उपस्थित रहे।

भाटपाड़ा में मकान ढहने से एक युवती की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना के भाटपाड़ा नगरपालिका के वार्ड 18 के रुस्तम गुमटी इलाके में मंगलवार को मकान ढहने से एक निवासी की मौत हो गई। प्रारंभिक अनुमान है कि मलबे में कुछ और लोग फंसे हो सकते हैं। बचाव कार्य शुरू हो गया है। मृतका की पहचान खुशबू (23) के रूप में की गई है। शव बरामद कर लिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना में एक अन्य युवक घायल हो गया। उसका नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, भाटपाड़ा के रुस्तम गुमटी इलाके में स्थित मकान कई दिनों से खतरनाक स्थिति में था। मंगलवार की सुबह यह अचानक ढह गया। तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग बाहर आ गए। इसके तुरंत बाद इलाके में उत्तेजना फैल गई। खबर मिलते ही जगद्दल थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना के समय खुशबू घर के अंदर थी। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारत का सबसे स्लिम स्मार्टफ़ोन, जिसमें है दमदार 7300एमएएच हाई-डेंसिटी बैटरी

कोलकाता : वीवो ने अपनी टी-सीरीज़ का नया स्मार्टफ़ोन पेश किया है – वीवो टी4 5जी। यह फ़ोन भारत की अब तक की सबसे बड़ी 7300एमएएच हाई-डेंसिटी बैटरीऑ और 90डब्ल्यू फ़्लैशचार्ज के साथ आता है, जो दमदार बैटरी परफॉर्मेंस को एक पतले और स्टाइलिश डिज़ाइन में पेश करता है। स्नैपड्रैगन 7स जन 3 प्रोसेसर से लैस, वीवो टी4 5जी स्मूद मल्टीटास्किंग का अनुभव देता है और 820के+ ऐनटूटू स्कोर हासिल कर अपने सेगमेंट का सबसे तेज़ स्मार्टफ़ोन बनता है। इसमें सेगमेंट का सबसे ब्राइट कॉर्ड-कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले है, जिसकी स्थानीय पीक ब्राइटनेस 5000 निट्स् तक जाती है। ऑनलाइन बिज़नेस, वीवो इंडिया के हेड पंकज गांधी ने लॉन्च के बारे में बताते हुए कहा कि हम वीवो टी4 5जी को पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं – यह हमारी सीरीज़ टी पोर्टफोलियो में एक और दमदार जोड़ है।

मालदह मंडल ने सबौर-जमालपुर स्टेशनों पर मीडिया टूर से दिखाए सुरक्षा और विकास कार्य

मालदह : मालदह मंडल ने मंगलवार को सहरसा और जमालपुर रेलवे स्टेशनों पर मीडिया प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष मीडिया टूर का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य मीडिया को मौजूदा विकास कार्यों की प्रत्यक्ष जानकारी देना था, जो ट्रैक सुरक्षा को बेहतर बनाने और ट्रेनों की सुचारू, सुरक्षित व तेज आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे हैं। यह दौरा प्रमुख अधिकारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिनमें सबौर स्टेशन पर पीडब्ल्यूआई/सबौर, स्टेशन अधीक्षक/सबौर और सीएमआई/भागलपुर शामिल रहे, जबकि जमालपुर स्टेशन पर पीडब्ल्यूआई/जमालपुर, स्टेशन अधीक्षक/जमालपुर और सीएमआई/जमालपुर ने नेतृत्व किया।

मीडिया को लूप लाइन की डीप स्क्रीनिंग, पॉइंट्स और क्रॉसिंग्स, तथा थिक वेब स्विच जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी गई, जो ट्रेनों की रफ्तार और परिचालन क्षमता को बढ़ाने में सहायक हैं। इसके साथ ही, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन प्रणाली का प्रदर्शन भी किया गया, जो रेल, वेल्ड, स्विच एक्सपैंशन जॉइंट और टर्नआउट्स की आंतरिक जांच के लिए उपयोग की जाती है। यह तकनीक बिना किसी नुकसान के उच्च आवृत्ति की ध्वनि तरंगों के माध्यम से रेल की संरचना में मौजूद संभावित खामियों का पूर्वानुमान लगाती है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके।

पुरुलिया में मोबाइल फोन चोर के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

❑ **आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर स्थानीय लोगों ने थाने के सामने किया प्रदर्शन**

पुरुलिया : पुरुलिया के मुफस्सल थाना अंतर्गत बोंगाबारी गांव में मोबाइल फोन चोर होने के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रामचंद्र महतो (49) के रूप में की गई है। वह उस क्षेत्र का ही निवासी था। बताया गया है कि गत 17 अप्रैल को रामचंद्र महतो का मोबाइल चोरी को लेकर गांव के ही एक युवक से विवाद हुआ था। युवक और उसके परिवार के सदस्यों ने उस पर इसलिए हमला कर दिया क्योंकि उसने उनका मोबाइल फोन चुरा लिया था। उसे बुरी तरह पीटा गया। बाद में, रामचंद्र महतो को गंभीर रूप से घायल अवस्था में बचाया गया और पहले उसे पुरुलिया सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करने की सलाह दी। इसके बाद, परिजन रामचंद्र महतो को झारखंड के एक निजी अस्पताल ले गए। 20 अप्रैल को उसकी वहीं मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिवार के सदस्य गत सोमवार की रात शव लेकर वापस लौट आए। जब शव को पुरुलिया मुफस्सल पुलिस स्टेशन लाया गया तो परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोपियों को फांसी देने की मांग को लेकर लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस स्टेशन के सामने रैफ और पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने बारी-बारी से प्रदर्शनकारियों से बात की। पुलिस द्वारा आश्वस्त किये जाने के बाद अंततः प्रदर्शनकारी शांत हुए। उसी रात पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कथित तौर पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सियालदह मंडल में यात्री लूप लाइनों का तेजी से उन्नयन, सुरक्षा के लिए 59 करोड़ की योजना

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में यात्री ट्रेनों की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से यात्री रनिंग लूप लाइनों के उन्नयन का कार्य तेजी से जारी है। सियालदह मंडल में कुल 60 स्टेशन ऐसे हैं, जहां यात्री लूप लाइनें मौजूद हैं, जिनकी स्थिति को बेहतर कर सुरक्षित और निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। पूर्व में इन लूप लाइनों का रखरखाव मैनुअली किया जाता था, लेकिन अब इसे आधुनिक मशीनों की सहायता से किया जा रहा है। इस कार्य में मशीन पैकिंग, बैलास्टिंग, बैलास्ट क्लीनिंग मशीन से डीप स्क्रीनिंग, रेल जॉइंट का वेल्डिंग, 100% फिटिंग्स की जांच, स्लीपर की री-स्पेसिंग जैसे कार्य शामिल हैं।

रेलवे ने सियालदह मंडल में यात्री लूप लाइनों के उन्नयन के लिए लगभग 59 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। अब तक 13 स्टेशनों बैरकपुर, बारुईपुर जं., कृष्णनगर सिटी जं., बेथुआडहरी, चांदपाड़ा, देउला, देबोग्राम, घटियारी शरीफ, होटोर, माझदिया, सोनारपुर जं., मुरगाछा और मध्यमग्राम-की लूप लाइनों का कार्य पूरा हो चुका है। दिसंबर 2025 तक सभी लूप लाइनों का उन्नयन कार्य मिशन मोड में पूरा किया जाएगा। सियालदह मंडल प्रतिदिन लगभग 1000 ट्रेनों का संचालन करता है और यात्रियों की सुरक्षा के लिए सतत प्रयास कर रहा है। इसमें लेवल क्रॉसिंग गेट्स को समाप्त करना, नॉन-इंटरलॉकिंग गेट्स को इंटरलॉकिंग बनाना, गेट्स पर रोड यूज़र सिग्नल में बजर लगाना, स्लाइडिंग बैरियर, सिग्नल विजिबिलिटी में सुधार, गार्ड रिपीटर सिग्नल, झुके हुए खंभों को हटाना, अनाधिकृत ट्रेसपासिंग क्षेत्रों में फेंसिंग, यार्ड की सीसीटीवी से निगरानी, एडवांस सिग्नलिंग सिस्टम और ट्रैक सुधार जैसे कार्य शामिल हैं।

हावड़ा डिवीजन के शताब्दी वर्ष में औद्योगिक विकास और रेलवे नेटवर्क का इतिहास

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे का हावड़ा डिवीजन जब 2025 में अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो यह न केवल भारत के रेलवे नेटवर्क, बल्कि देश की औद्योगिक विरासत में भी एक अहम कड़ी के रूप में खड़ा है। यह डिवीजन भारतीय औद्योगिक विकास में अग्रणी रहा है और कई प्रमुख औद्योगिक केंद्रों को जोड़ने, माल ढुलाई को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हावड़ा डिवीजन का इतिहास औद्योगिक विकास से जुड़ा हुआ है। प्रमुख व्यवसायी श्री द्वारकानाथ टैगोर ने रानीगंज से हावड़ा तक रेलमार्ग जोड़ने का विचार किया था, लेकिन उन्हें ईस्ट इंडिया कंपनी से विरोध का सामना करना पड़ा। हालांकि, उनकी मृत्यु के दस साल बाद, 1855 में यह योजना पूरी हुई। उस समय, रानीगंज से कलकत्ता तक 1,00,000 टन कोयले का परिवहन किया गया था। 1860 तक, रानीगंज क्षेत्र में 50 खदानें संचालित हो रही थीं और 2,82,000 टन कोयला वार्षिक उत्पादन कर रही थीं। ईस्ट इंडियन रेलवे ने भारतीय कोयले की खपत को बढ़ाने और विदेशी प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के लिए ढुलाई दरों में कमी की। इसके परिणामस्वरूप, रेलवे ने 300 मील से अधिक लंबी दूरी के लिए ढुलाई दर को 5.4 से घटाकर 4.5 पाई प्रति टन मील कर दिया। इसके अलावा, हावड़ा डिवीजन ने दुर्गापुर, बर्नपुर, पाकुड़, राजग्राम और जमालपुर जैसे औद्योगिक केंद्रों से अन्य माल जैसे बॉक्साइट, सीमेंट, जूट, चाय और वस्त्र को कलकत्ता तक पहुंचाया। हावड़ा डिवीजन पूर्व भारत के औद्योगिक विकास का मुख्य आधार बन चुका है और भारतीय रेलवे की आपूर्ति श्रृंखला का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। इसके शताब्दी वर्ष के अवसर पर, हम इसके औद्योगिक परिदृश्य पर पड़े प्रभाव और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देते हैं।

पूर्व रेलवे ने बालीगंज स्टेशन पर चलाया स्वच्छता अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल द्वारा 21 अप्रैल को बालीगंज रेलवे स्टेशन पर एक विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यात्रियों, स्टेशन पर मौजूद विक्रेताओं और अन्य संबंधित लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। इस अभियान के दौरान स्टेशन परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर फेंकने, गंदगी न फैलाने और थूकने पर रोक जैसे व्यवहारों को प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही, पोस्टर लगाकर लोगों तक जरूरी जानकारी पहुंचायी गयी। यह आयोजन स्वच्छ भारत मिशन को और मजबूत बनाने तथा रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया।

माकपा के पुनरुद्धार में बंगाल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : एमए बेबी

कोलकाता, समाज्ञा : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नवनिर्वाचित महासचिव एमए बेबी ने मंगलवार को कहा कि देश के राजनीतिक परिदृश्य में पार्टी और वामपंथ की स्वतंत्र ताकत सुनिश्चित करने में पश्चिम बंगाल को बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों का एक अग्रिम गढ़ है। बेबी ने दावा किया कि राज्य में विभिन्न दल एक साथ आए और वामपंथ पर एक व्यवस्थित हमला किया गया। उन्होंने स्वीकार किया कि बंगाल और त्रिपुरा में हमारी पार्टी और वामपंथ के चुनावी प्रदर्शन में कुछ गिरावट आई है। देश में 'नव-फासीवादी ताकतों' से लड़ने के लिए माकपा और वामपंथ की स्वतंत्र ताकत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि माकपा और वाम दलों की स्वतंत्र ताकत सुनिश्चित करने में पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा को बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। बेबी ने कहा कि सोमवार से कोलकाता में आयोजित माकपा के राज्य सम्मेलन के दौरान पार्टी ने पश्चिम बंगाल में किए जाने वाले राजनीतिक और संगठनात्मक कार्यों की योजना बनाई, ताकि यहां अपनी ताकत फिर से हासिल की जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि माकपा जबरदस्त वापसी करेगी और अगर आवश्यक हुआ तो सुधार करेगी। बेबी ने कहा कि हमें अपने विरोधियों की बात सुनने में भी कोई आपत्ति नहीं है। अगर उनकी बातों में कुछ दम है, तो हम सुधार करेंगे। उन्होंने कहा कि माकपा और वामपंथी पश्चिम बंगाल में सही रास्ते पर हैं।

ममता बनर्जी भेषधारी ब्राह्मण : सुकांत मजूमदार का तीखा हमला

❑ मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर चुंचुड़ा में भाजपा का विरोध मार्च, पुलिस से झड़प

हुगली : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर राज्य की राजनीति में उबाल आ गया है। इस मुद्दे समेत अन्य विषयों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चुंचुड़ा में विरोध मार्च निकाला। इस मार्च का नेतृत्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने किया।

मार्च के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। कई स्थानों पर पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग की गई थी, ताकि प्रदर्शनकारियों को जिला शासक कार्यालय की ओर बढ़ने से रोका जा सके। भाजपा समर्थकों ने कुछ स्थानों पर बैरिकेडिंग तोड़ दी,

जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी धक्का-मुक्की देखने को मिली।

प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए सुकांत मजूमदार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ता शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। मुर्शिदाबाद में जो हिंसा हुई, उसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया। आज हिंदुओं को संगठित होकर अपनी रक्षा करनी होगी। सनातन धर्म ने सदियों की गुलामी के बावजूद इस देश की आत्मा को जीवित रखा है।

उन्होंने यह भी कहा कि जिन क्षेत्रों में हिंदू आबादी 50 प्रतिशत से कम है, वहां भाजपा कार्यकर्ताओं और आम हिंदुओं को वोट डालने से रोका जा रहा है। ऐसे क्षेत्रों में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रपति शासन की आवश्यकता है।

अपने भाषण में सुकांत मजूमदार ने ममता बनर्जी पर भी तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, रावण भी सीता माता का अपहरण करने ब्राह्मण के भेष में आया था, और ममता बनर्जी भी भेषधारी ब्राह्मण हैं।

उन्होंने बंगाल की महिलाओं से अपील की कि लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं के लालच में न आएं। यदि आज हम सतर्क नहीं हुए, तो बंगाल की स्थिति भी कश्मीर और बांग्लादेश जैसी हो सकती है। मुर्शिदाबाद इसका उदाहरण है, जहाँ कथित तौर पर हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके घरों और दुकानों को नुकसान पहुँचाया गया।

सुकांत मजूमदार का आरोप है कि यह सरकार एक विशेष समुदाय का पक्ष लेकर कार्य कर रही है और बहुसंख्यक समुदाय को उपेक्षित किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 2026 में भाजपा बंगाल की सत्ता में नहीं आई, तो राज्य में हिंदुओं के लिए हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

हाईकोर्ट ने 'कालीघाट के काकू' की जमानत बढ़ाने पर उठाए सवाल, 16 जून को अगली सुनवाई

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में आरोपित सुजयकृष्ण भद्र उर्फ 'कालीघाट के काकू' की अंतरिम जमानत की अवधि को कोलकाता हाई कोर्ट ने बढ़ा दिया है। उनकी जमानत की अवधि बढ़ाने की याचिका स्वास्थ्य कारणों से उनके वकील द्वारा दायर की गई थी, जिसे कोर्ट ने मंगलवार को मंजूर कर लिया। अब, उनकी जमानत की अवधि जून तक बढ़ा दी गई है, लेकिन इस दौरान यह सवाल उठाए गए हैं कि क्या वह सभी जमानत शर्तों का पालन कर रहे हैं। कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई से जानकारी मांगी है कि क्या सुजयकृष्ण भद्र सभी शर्तों का पालन कर रहे हैं और क्या उन्होंने कोई शर्त तोड़ी है। 16

जून को इस मामले की अगली सुनवाई होगी, और इस दिन सीबीआई को सुजयकृष्ण भद्र के स्वास्थ्य से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

इससे पहले, सुजयकृष्ण भद्र ने स्वास्थ्य कारणों से कई बार जमानत की याचिका दी थी, लेकिन केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा दी गई आपत्तियों के कारण उनकी याचिकाएं खारिज हो गई थीं। हालांकि, फरवरी 2025 में कोलकाता हाई कोर्ट ने उनकी जमानत मंजूर की थी, लेकिन इस दौरान कई शर्तें भी लगाई गई थीं। इनमें प्रमुख शर्त यह थी कि वह अपने क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकते। मार्च में उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए जमानत की अवधि को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया था। अब, वही अवधि समाप्त हो चुकी है और सुजयकृष्ण भद्र ने फिर से जमानत की अवधि बढ़ाने की याचिका दायर की, जिसे न्यायाधीश शुभ्रा घोष ने मंजूर किया है। कोर्ट ने इस बार भी सीबीआई से यह रिपोर्ट मांगी है कि क्या सुजयकृष्ण भद्र शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सीटा ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमले की कड़ी निंदा की

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन (सीटा) ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को कायरता की चरम सीमा बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की है। एसोसिएशन ने इस हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। सीटा ने कहा कि यह हमला केवल निर्दोष लोगों पर नहीं, बल्कि भारत की शांति, अखंडता और सद्भाव पर सीधा प्रहार है। उन्होंने दोहराया कि इस तरह की घिनौनी हरकतें देश को कमजोर नहीं कर सकतीं। एसोसिएशन ने जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के साथ एकजुटता दर्शाते हुए सरकार और सुरक्षाबलों के प्रयासों को पूरा समर्थन दिया और विश्वास जताया कि दोषियों को सख्त सजा मिलेगी। उन्होंने कहा - भारत आतंक से नहीं डरेगा, बल्कि और अधिक मजबूती से उभरेगा।

शोभन-रत्ना के तलाक मामले को सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त महीने तक निपटाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली/कोलकाता

शोभन चट्टोपाध्याय और रत्ना चट्टोपाध्याय के तलाक के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नया आदेश जारी किया है। यह मामला 2017 से चल रहा है और अब तक गवाहों के बयान दर्ज नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई। शीर्ष अदालत ने इस मामले में तलाक की प्रक्रिया को अगस्त महीने तक पूरा करने का आदेश दिया है। रत्ना चट्टोपाध्याय ने अपने पक्ष के सात गवाहों के बयान दर्ज करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन निचली अदालत ने केवल दो गवाहों का बयान लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को आदेश दिया कि रत्ना के अनुरोध के अनुसार बाकी पांच गवाहों के बयान भी दर्ज किए जाएं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि इस तलाक मामले का निपटारा अगस्त तक किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आसनुद्दीन अमानुल्ला और जस्टिस प्रशांतकुमार मिश्र की बेंच ने मंगलवार को रत्ना चट्टोपाध्याय का बयान तलब किया था। इस मामले में शोभन चट्टोपाध्याय, जो कि कोलकाता के पूर्व मेयर हैं, पहले ही अपनी बात अदालत में रख चुके हैं। मंगलवार को रत्ना ने अदालत से कहा कि जिन गवाहों का उन्होंने उल्लेख किया था, उनके बयान अब तक नहीं लिए गए हैं। इस पर अदालत ने कड़ा आदेश देते हुए मामले की त्वरित सुनवाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए।

काम दिलाने के नाम पर दिल्ली ले जाकर गृहिणी से दुष्कर्म, आरोपी युवक गिरफ्तार

❑ कोर्ट ने आरोपित को 14 दिनों की जेल हिरासत में भेजा

कोलकाता, समाज्ञा : एक गृहिणी को कथित तौर पर काम के बहाने दिल्ली ले जाया गया और बंधक बनाकर कई दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह सनसनीखेज घटना दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप में घटी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार युवक का नाम टोटन दास है। वह जिले के पाथरप्रतिमा का निवासी है। जबकि, युवती का घर काकद्वीप इलाके में है। बताया गया है कि गृहिणी को काम की जरूरत थी। आरोप है कि आरोपी को यह बात पता चलने पर उसने गृहिणी को यह कहकर बहकाया गया कि उसे दिल्ली में काम दिया जाएगा। गृहिणी टोटन के साथ काम के लिए दिल्ली चली गई थी। आरोप है कि वहां जाने पर टोटन का असली रूप सामने आ गया। उसने गृहिणी को कोई काम नहीं दिया। कथित तौर पर उसे एक घर में बंद कर दिन-प्रतिदिन उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं, यातनाओं के वीडियो और फोटो फोन पर कैद कर लिए गए। आरोप है कि उसने उसे धमकी दी गई कि भागने की कोशिश की तो वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। इसी बीच, एक दिन मौका पाकर पीड़िता दिल्ली स्थित उस घर से भागने में सफल हो गई। कुछ दिन पहले वह किसी तरह काकद्वीप स्थित अपने घर लौट आयी।

इधर, आरोपी टोटन गृहिणी को धमकाता रहा। आरोप है कि मोबाइल फोन से ली गई तस्वीरें इंटरनेट पर फैला दी गईं। इसकी जानकारी होने पर पीड़िता ने पाथरप्रतिमा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर टोटन को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति को काकद्वीप अदालत ले जाया गया। न्यायाधीश ने गिरफ्तार व्यक्ति को 14 दिन की जेल हिरासत में भेजने का आदेश दिया। क्या गिरफ्तार युवक महिला तस्करी में संलिप्त है? क्या टोटोन ने पहले भी ऐसा कुछ किया है? पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डोमजूर में बंद फैक्ट्री में लगी आग, दमकल की एक गाड़ी ने पाया काबू

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के डोमजूर थाना अंतर्गत कटलिया परियोजना इलाके में मंगलवार की सुबह एक बंद पड़ी फैक्ट्री में आग लग गई। स्थानीय निवासियों ने सुबह करीब 9 बजे फैक्ट्री से धुआं और लपटें उठती देखीं, जिसके बाद उन्होंने तुरंत डोमजूर पुलिस और अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए।

दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई के चलते कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास के इलाकों में आग फैलने का खतरा टल गया। डोमजूर पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी अब इस बात की जांच में जुट गए हैं कि बंद फैक्ट्री में आग किस कारण से लगी। फैक्ट्री लंबे समय से बंद थी, ऐसे में आग लगने की वजहों को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। पुलिस और दमकल विभाग दोनों ही संभावित कारणों जैसे शॉर्ट सर्किट या किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग की आशंकाओं को ध्यान में रखकर जांच कर रहे हैं। फिलहाल, आग से फैक्ट्री को कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जा रहा है। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है ताकि आग लगने की सही वजह का पता चल सके। इस घटना से इलाके में थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, लेकिन दमकल कर्मियों की तत्परता से स्थिति को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया।

छात्र के भविष्य पर मंडरा रहे अनिश्चितता के बादल

❑ दसवीं का पंजीकरण नहीं होने से फिर नवमी कक्षा में पढ़ने को विवश छात्र

हुगली : हुगली जिले से एक छात्र के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल, दसवीं में पढ़ाई के चार महीने बीत जाने के बाद छात्र को पता चला कि उसका माध्यमिक परीक्षा के लिए पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) ही नहीं हुआ है। अब उसे फिर से नवमी कक्षा में लौटना पड़ सकता है।

यह मामला सेवड़ाफुली स्थित सुरेन्द्रनाथ विद्यनिकेतन का है। छात्र इस समय ऐसी विकट स्थिति का सामना कर रहा है, जहाँ दसवीं में पढ़ाई शुरू कर देने के बावजूद, उसे फिर से नौवीं कक्षा में पढ़ना पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार, छात्र 2023 में नवमी कक्षा की वार्षिक परीक्षा में असफल हुआ था, लेकिन अगले वर्ष विद्यालय ने उसे विचाराधीन श्रेणी में दसवीं में प्रोन्नत कर दिया। छात्र ने दसवीं में चार महीने तक नियमित रूप से कक्षाएं कीं और विद्यालय की आवश्यक फीस भी जमा की। किंतु हाल ही में विद्यालय ने परिवार को सूचित किया कि 2024 में छात्र का माध्यमिक परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ था, इसलिए वह आगामी वर्ष की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेगा।

छात्र के परिवार का आरोप है कि यह पूरी तरह विद्यालय की लापरवाही का परिणाम है। उनका कहना है कि छात्र नियमित रूप से विद्यालय जा रहा था, और यदि रजिस्ट्रेशन में कोई समस्या थी तो विद्यालय को समय रहते सूचित करना चाहिए था। अब छात्र मानसिक तनाव में है और उसका एक कीमती वर्ष बर्बाद होने की कगार पर है।

वहीं, विद्यालय ने इस आरोप का खंडन किया है। प्रधान शिक्षक प्रसनजित दे ने स्पष्ट किया कि माध्यमिक परीक्षा का रजिस्ट्रेशन पूरी तरह ऑनलाइन होता है। यदि उस समय कोई छात्र अनुपस्थित रहता है या आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा नहीं करता है, तो उसका रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाता।

उन्होंने कहा, हमने सभी छात्रों को कई बार सूचित किया था। अब भी हम इस छात्र की स्थिति को शिक्षा बोर्ड के समक्ष रखेंगे, ताकि किसी तरह से उसे राहत मिल सके। इस मामले में विद्यालय की कोई लापरवाही नहीं है।

वर्तमान में छात्र और उसके परिवार की सारी उम्मीदें शिक्षा विभाग और बोर्ड पर टिकी हुई हैं। यदि कोई राहत नहीं मिलती, तो छात्र को फिर से नवमी कक्षा में नामांकन लेना पड़ सकता है, जिससे उसका एक वर्ष व्यर्थ चला जाएगा।

कैनिंग में मिठाई की दुकान में गैस सिलेंडर विस्फोट, एक व्यक्ति की झुलसकर मौत

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के कैनिंग थाना अंतर्गत मतला सेतु रोड स्थित एक मिठाई की दुकान में मंगलवार को गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हुआ और इस विस्फोट में झुलसकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान दिलीप देबनाथ (57) के रूप में की गई है। बता दें कि कैनिंग ब्रिज रोड बाजार क्षेत्र में कैनिंग स्टेडियम के समीप एक मिठाई की दुकान है। रोजाना की तरह मंगलवार को दुकान के कर्मचारी रसगुल्ले बनाने में लगे थे। तभी, अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। यह सूचना कैनिंग पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना पाकर एक दमकल गाड़ी और कैनिंग पुलिस स्टेशन से भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। हालांकि, तब तक

आग पर काबू पा लिया गया था। लेकिन, इस घटना में दो लोग दिलीप देबनाथ और दीपक दास घायल हो गए। घायल दिलीप देबनाथ के नाक और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को बचाया और उन्हें कैनिंग उपजिला अस्पताल पहुंचाया। गंभीर स्थिति के कारण दिलीप देबनाथ को कोलकाता के चित्तरंजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। वह वहीं मर गया।

पुलिस-सेना से नहीं मिली अनुमति, ब्रिगेड सभा के लिए मुस्लिम लॉ बोर्ड ने हाई कोर्ट में दायर की याचिका

कोलकाता, समाज्ञा : फुरफुरा शरीफ से संशोधित वक्फ कानून को रद्द करने की मांग को लेकर 'ब्रिगेड चलो' का आह्वान किया गया है। यह सभा 26 अप्रैल को ब्रिगेड में आयोजित होने वाली है। सभा आयोजित करने के लिए पुलिस और सेना से अनुमति मांगी गई, लेकिन दोनों ही पक्षों ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद, मुस्लिम लॉ बोर्ड ने इस मामले को लेकर कोलकाता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस संगठन की ओर से यह सभा आयोजित करने की योजना है और मामले की सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की अदालत में अनुमति मांगी गई है। इस मामले की सुनवाई बुधवार को होने की संभावना जताई जा रही है। संशोधित वक्फ कानून के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिसमें मुस्लिम समुदाय का एक हिस्सा सड़कों पर उतर आया है। इसका असर बंगाल में भी देखा जा रहा है। हाल के दिनों में मुर्शिदाबाद और मालदह में वक्फ कानून के विरोध में अशांति की घटनाएं हुईं हैं और राज्य के अन्य हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। फुरफुरा में भी पिरजादे विरोध सभाएं आयोजित कर रहे हैं। इसी विरोध के सिलसिले में ब्रिगेड में समाहेलन का आह्वान किया गया था। मुस्लिम लॉ बोर्ड ने भी इस समाहेलन के आयोजन की पुष्टि की है। फुरफुरा के पिरजादा मेहराब सिद्धिकी ने कहा, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर 26 अप्रैल को ब्रिगेड में समाहेलन होगा, और पिरजादे इस समाहेलन का समर्थन कर रहे हैं। सभा की अनुमति मिलने में कठिनाई का अनुमान पहले ही वांघर के आईएसएफ विधायक नवासाद सिद्धिकी ने जताया था। इस कारण उन्होंने खुद को इस कार्यक्रम से अलग कर लिया था। सोमवार को एक वीडियो संदेश में कहा, जैसे मोमबत्ती खुद अंधेरे में रहते हुए समाज में रोशनी फैलाती है, ठीक उसी तरह मैं भी इस कार्यक्रम का समर्थन करना चाहता हूं, लेकिन अंधेरे में रहकर। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार और पुलिस जानबूझकर बैठकों और जुलूसों में रुकावट डाल रही है। यदि वह पिरजादों के ब्रिगेड समाहेलन में सीधे तौर पर शामिल होते हैं, तो प्रशासन इसे बाधित करना चाहेगा। इसलिए, वह अब तक यह नहीं बता पा रहे हैं कि वे ब्रिगेड जाएंगे या नहीं।

सीटा ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमले की कड़ी निंदा की

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन (सीटा) ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को कायरता की चरम सीमा बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की है। एसोसिएशन ने इस हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। सीटा ने कहा कि यह हमला केवल निर्दोष लोगों पर नहीं, बल्कि भारत की शांति, अखंडता और सद्भाव पर सीधा प्रहार है। उन्होंने दोहराया कि इस तरह की घिनौनी हरकतें देश को कमजोर नहीं कर सकतीं। एसोसिएशन ने जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के साथ एकजुटता दर्शाते हुए सरकार और सुरक्षाबलों के प्रयासों को पूरा समर्थन दिया और विश्वास जताया कि दोषियों को सख्त सजा मिलेगी। उन्होंने कहा - भारत आतंक से नहीं डरेगा, बल्कि और अधिक मजबूती से उभरेगा।

दुर्गापुर के एनएच 19 पर बड़ा हादसा टला, हाइड्रोक्लोरिक एसिड ले जा रहा टैंकर पलटा

दुर्गापुर : दुर्गापुर में मंगलवार को बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। हाइड्रोक्लोरिक एसिड से भरा एक टैंकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। बताया गया है कि इस दिन, सुबह करीब 10.10 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर मुचिपारा फ्लाईओवर के पास हाइड्रोक्लोरिक एसिड ले जा रहा एक टैंकर पलट गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई और गैस का धुआं निकलने लगा। दुर्घटना के कारण आसनसोल और बर्दवान दोनों लेन पर यातायात बाधित हो गया। टैंकर बिहार से कोलकाता जा रहा था। दुर्घटना के कारण आसनसोल और बर्दवान जाने वाली दोनों लेनों पर यातायात बाधित हो गया। धुएं का गुब्बार देखकर लोगों में दहशत का माहौल हो गया। इसके बाद, फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने समय रहते धुएं पर काबू पा लिया। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले पुलिस को फोन किया और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। एसिड से लदे टैंकर के खतरे से बचने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के आसनसोल और बर्दवान जाने वाले लेन पर यातायात रोक दिया गया। बताया जा रहा है कि हाइड्रोक्लोरिक एसिड से भरा यह टैंकर बिहार से कोलकाता जा रहा था, जो मुचिपारा राष्ट्रीय राजमार्ग के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। आसपास का क्षेत्र गैस धुंध से ढक गया था।

काकद्वीप में लापता नाबालिग का शव तालाब से बरामद, दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप में एक दिन से अधिक समय तक लापता रहने के बाद एक नाबालिग का शव एक तालाब में बरामद किया गया। तालाब से सटे खेत में भी खून के धब्बे पाए गए। मृतक के परिवार और पड़ोसियों ने आरोप लगाया है कि नाबालिग से पहले दुष्कर्म किया गया और फिर उसकी 'हत्या' कर दी गई। ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पता चला है कि नाबालिग का घर काकद्वीप विधानसभा क्षेत्र के माधवनगर ग्राम पंचायत के श्यामनगर 9 नंबर घेरी इलाके में है। रविवार की रात को इस क्षेत्र में एक जलसा का आयोजन किया गया था। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, नाबालिग भी उस रात जलसा

देखने के लिए घर से निकली थी। लेकिन, वह रात होने तक वापस नहीं आयी। इसके बाद, परिजनों ने विभिन्न स्थानों पर तलाश की, लेकिन नाबालिग लड़की नहीं मिली। सोमवार को भी विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली गई। फिर, सोमवार की रात को नाबालिग लड़की का शव इलाके के एक खेत में बने तालाब में तैरता हुआ मिला। खबर मिलते ही नाबालिग के परिवार और पड़ोसी वहां पहुंच गए। वहं उन लोगों ने देखा कि लापता नाबालिग लड़की का शव पानी में तैर रहा है। इतना ही नहीं, खेत में नाबालिग का हार और बाल का क्लिप भी बरामद किया गया। मैदान में खून के धब्बे देखे जा सकते हैं। शव मिलने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। नाबालिग के परिवारवालों का आरोप है कि उनकी बेटी से दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। फिर, शव को तालाब में फेंक दिया गया। हार्वुड प्वाइंट कोस्टल पुलिस स्टेशन को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

बजाज फिन्सर्व एएमसी ने लॉन्च किए नेक्स्ट-जेन पैसिव फंड्स

कोलकाता : बजाज फिन्सर्व एएमसी ने अपने पैसिव फंड पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए 'बजाज फिन्सर्व निफ्टी 50 इंडेक्स फंड' और 'बजाज फिन्सर्व निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड' लॉन्च किए हैं। बजाज फिन्सर्व एएमसी के मैनेजिंगडायरेक्टर गणेश मोहन ने कहा, हमारा मानना है कि बेहतर निवेश विकल्प सभी के लिए सुलभ, पारदर्शी और किफायती होने चाहिए। आज जब निवेशक समझदारी से अपनी संपत्ति बढ़ाने के तरीके खोज रहे हैं, ऐसे में पैसिव फंड्स उन्हें एक व्यवस्थित और असरदार रास्ता देते हैं। बजाज फिन्सर्वएएमसी के चीफइन्वेस्टमेंटऑफिसरश्री निमेष चंदन ने कहा, हमारी पैसिव फंड रेंज, निवेश उत्पादों की विविधता में एक अहम जोड़ है। इंडेक्स फंड्स निवेशकों को कम लागत में व्यापक बाजार में भागीदारी का अवसर देते हैं। फिलहाल हमारा फोकस लार्ज कैप इंडेक्स पर है, जो हमारी सकारात्मक सोच और लंबे समय के विकास पर भरोसे को दर्शाता है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 25/क्यू4 के वित्तीय नतीजों की घोषणा की

कोलकाता : एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, एमडी और सीईओ, संजय अग्रवाल ने कहा, हम लगातार मुद्रास्फीति, तंग तरलता, एक चुनौतीपूर्ण ऋण वातावरण और अपेक्षा से कम जीडीपी वृद्धि द्वारा चिह्नित एक कठिन व्यापक आर्थिक वातावरण से बाहर आ रहे हैं। जैसे ही हम वित्त वर्ष 26 में प्रवेश करते हैं, आर्थिक दृष्टिकोण अनिश्चित बना रहता है, जो बड़े पैमाने पर टैरिफ युद्ध और भू-राजनीतिक विकास जैसे वैश्विक कारकों से प्रेरित होता है।

नदिया में तीन बांग्लादेशी घुसपैठिया और एक भारतीय दलाल गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के हांसखली थाने की पुलिस ने एक विशेष अभियान में तीन बांग्लादेशियों और एक भारतीय दलाल को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की सुबह हांसखाली थाना अंतर्गत रामनगर इलाके में विशेष अभियान चलाया गया। वहां तीन बांग्लादेशियों और एक भारतीय दलाल को गिरफ्तार किया गया। बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम अलामिन शेख, मकछुदुल मोल्ला और अद्री शेख है। ये सभी बांग्लादेश के नरैल और बोगरा जिलों के रहने वाले हैं। उधर, गिरफ्तार भारतीय दलाल का नाम अताबुल बिस्वास है, जो हंसखली थाना अंतर्गत रामनगर का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये तीनों बांग्लादेशी गत सोमवार की रात दलाल के माध्यम से अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में घुसे थे। इस दिन, पुलिस ने उन्हें पुलिस रिमांड के लिए अदालत में भेज दिया।

हावड़ा स्टेशन से दो अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : जिला के गोलाबाड़ी थाना ने हावड़ा स्टेशन से दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अब्दुल्ला अली उर्फअब्दुल (35) और फरीदा बेगम (45) के रूप में हुई है। दोनों खुद को पति-पत्नी बता रहा है। उन पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किये गये लोगों के पास कोई वैध पासपोर्ट या वीजा नहीं था। वे बांग्लादेश से बशीरहाट होते हुए हावड़ा पहुंचे थे। पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वे यहां से म्यांमार जाने की योजना बना रहे थे। यद्यपि गिरफ्तार किये गये लोगों ने पति-पत्नी होने का दावा किया, लेकिन उनके नाम और उम्र में भिन्नता होने से पुलिस का संदेह और गहरा हो गया। पुलिस ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि वे भारत में क्यों घुसे। जांचकर्ता भारत में प्रवेश करने के उनके उद्देश्य और संबंधों की भी जांच कर रहे हैं। गिरफ्तार लोगों को मंगलवार को हावड़ा अदालत में पेश किया गया और जांच के लिए उन्हें पुलिस हिरासत में रखने का अनुरोध किया गया। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हावड़ा स्टेशन और उसके आसपास के इलाकों में कड़ी निगरानी शुरू कर दी है।

डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर 1 करोड़ की ठगी, तीसरा आरोपी गिरफ्तार

❑ मुंबई पुलिस बनकर दी गई धमकी, मरीज के पैसे उड़ाए गए

कोलकाता : डिजिटल फ्रॉड के एक सनसनीखेज मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला सर्वे पार्क थाना क्षेत्र का है, जिसमें एक डॉक्टर को मुंबई पुलिस के नाम पर डराकर 1 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी।

यह मामला सर्वे पार्क थाना में डॉ. उत्पल कुमार बिट द्वारा दर्ज किया गया था।

❑ मामले का सार: शिकायतकर्ता को फोन पर मुंबई पुलिस का अधिकारी बनकर धमकाया गया कि उनका नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है। आरोपी ने डराकर उनसे तीन अलग-अलग लेनदेन में कुल 1 करोड़ रुपये ठग लिए।

❑ गिरफ्तारी की जानकारी: इस मामले में पहले ही दो आरोपियों सूरज कुमार सिंह (खाते का असली मालिक), अरमान अख्तर खान (सूरज के खाते को नियंत्रित करने वाला) को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ में दोनों ने एक तीसरे व्यक्ति मोहम्मद जाहिनुद्दीन का नाम लिया था, जिसने अरमान से पैसे लेकर उन्हें नकद में स्वीकार किया था।

पुलिस ने बीती रात तीसरे आरोपी मोहम्मद जाहिनुद्दीन (34 वर्ष) को खिदिरपुर इलाके से गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में जाहिनुद्दीन ने बताया कि उसने यह पैसा सुब्रत नामक व्यक्ति को सौंप दिया था। फिलहाल पुलिस द्वारा सुब्रत की तलाश की जा रही है, लेकिन उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ आ रहा है और उसकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है।

गिरफ्तार आरोपी को अलीपुर कोर्ट के लीड एसीजेएम के समक्ष पेश किया गया, जहाँ पुलिस रिमांड की अर्जी दी गई है।

पुलिस अब पूरे सिंडिकेट का पता लगाने में जुटी है। शुरुआती जांच में यह एक संगठित डिजिटल ठगी का मामला प्रतीत हो रहा है, जिसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

बिहार के पटना में हथियारबंद बदमाशों की गोलीबारी में बस चालक की मौत

पटना : बिहार के पटना में हथियारबंद बदमाशों ने एक बस चालक की गोली मारकर हत्या कर दी और इस दौरान एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार रात रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के गया-मसूरी मोड़ के पास हुई। पटना सिटी (पूर्व) के पुलिस उपाधीक्षक के. रामदास ने बताया, करीब चार से पांच हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें दुष्यंत कुमार नाम के व्यक्ति की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई जबकि इरशाद नाम का एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया। उन्होंने बताया, इरशाद का सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची लेकिन हथियारबंद लोग मौके से भागने में सफल रहे। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर घटना में शामिल लोगों की तलाश की जा रही है।

एक जोड़ी चप्पल लौटाने में 99,000 रुपये की ऑनलाइन ठगी

भदोही (उप्र) : भदोही जिले में ऑनलाइन चप्पल खरीदने और पसंद नहीं आने पर उसे लौटाने की कवायद में अधिवक्ता अरुण कुमार श्रीवास्तव 99,000 रुपये की ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गए। इस मामले में मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। ज्ञानपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष द्विवेदी ने बताया कि इस थाना क्षेत्र के बालीपुर निवासी अधिवक्ता 55 वर्षीय अरुण कुमार श्रीवास्तव ने 'अमेजन' से एक जोड़ी चप्पल 25 मार्च, 2025 को ऑनलाइन खरीदी और बाद में चप्पल पसंद नहीं आने पर उन्होंने इसे वापस कर दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि खरीदी गई चप्पल का भुगतान वापस लेने के लिए श्रीवास्तव ने गूगल सर्च के ज़रिये ढूढ़े गये एक 'कस्टमर केयर नंबर' पर फोन कर भुगतान वापस मांगा। उसी नंबर से व्हाट्सऐप काल पर एक व्यक्ति ने उनसे ओटीपी पूछा और अधिवक्ता ने ओटीपी बता दिया। द्विवेदी ने बताया कि बाद में अरुण कुमार श्रीवास्तव को जानकारी मिली कि इंडियन बैंक की ज्ञानपुर शाखा में उनके खाते से 99,000 रुपये निकल गए। उन्होंने बताया कि अरुण कुमार श्रीवास्तव ने गूगल पर किसी फर्जी वेबसाइट को खोलकर उस पर दिए गए नंबर को अमेजन का 'कस्टमर केयर नंबर' समझ लिया था और वह ठगी का शिकार हो गए।

अमेरिका, भारत मिलकर बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं: वेंस

जयपुर : भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों की एक दिशादृष्टि पेश करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने मंगलवार को भारत से अपने बाजारों तक अधिक पहुंच प्रदान करने तथा अमेरिका से ज्यादा ऊर्जा और रक्षा उपकरण खरीदने का आह्वान किया। वेंस ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका और भारत उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार और ऊर्जा समेत विविध क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका साझी प्राथमिकताओं के आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए काम कर रहे हैं अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इक्कीसवीं सदी का भविष्य भारत और अमेरिका की मजबूती से तय होगा। व्यापार और शुल्क पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति का जिक्र करते हुए वेंस ने कहा कि व्यापार संबंध निष्पक्षता पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि 'हम एक उज्ज्वल नया विश्व बनाना चाहते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वैश्विक व्यापार को फिर से संतुलित करना चाहते हैं ताकि अमेरिका, भारत जैसे मित्रों के साथ मिलकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके। उन्होंने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में हमारे देशों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं और हम मिलकर कई 'सैन्य आयुध' बना सकते हैं। वेंस ने मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैंने कल रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि उन्हें लोकप्रियता मिली है जिससे मुझे ईर्ष्या होती है।'

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस ने परिवार सहित आमेर का किला देखा

जयपुर : अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस और उनके परिवार ने मंगलवार को जयपुर स्थित विश्वविख्यात आमेर का किला देखा। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वेंस का परिवार शहर में स्थित आलीशान रामबाग पैलेस होटल से रवाना हुआ और सुबह करीब 9:30 बजे आमेर के किले में पहुंचा। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित इस किले में वेंस परिवार का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। जब वे आमेर किले के मुख्य प्रांगण जलेब चौक में दाखिल हुए, तो दो सजी-धजी हथिनी चंदा और माला ने अपनी सूंड उठाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किले में उनकी अगवानी की और उनका स्वागत किया।

मेरे बच्चों ने ट्रंप और मोदी के साथ घनिष्ठता बनाई: वेंस

जयपुर : अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने अमेरिका-भारत के उभरते संबंधों को ऐसा पारिवारिक बंधन करार दिया जो कूटनीति से परे है। उन्होंने रेखांकित किया कि कैसे उनके बच्चे अपनी इस भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पसंद करने लगे हैं। वेंस ने कहा कि वह कल रात प्रधानमंत्री मोदी के आतिथ्य से अभिभूत हुए और बच्चों को वह पसंद आए। मोदी ने सोमवार को नयी दिल्ली अपने सात लोक कल्याण मार्ग स्थित सरकारी आवास पर वेंस एवं उनके परिवार के लिए रात्रिभोज आयोजित किया। यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में मंगलवार को अमेरिका-भारत संबंधों पर भाषण देते हुए वेंस ने अपने परिवार के अनुभव का बड़े मन से जिक्र किया और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में व्यक्तिगत संबंधों के महत्व को उजागर किया। उन्होंने कहा कि उनके तीन बच्चों - बेटे इवान, विवेक और बेटी मीराबेल - ने दो विश्व नेताओं - राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के साथ घनिष्ठता बनाई है।

वाराणसी सामूहिक बलात्कार के एक आरोपी के परिवार ने पीड़िता के दावों का खंडन किया

वाराणसी (उप्र) : वाराणसी में 19 वर्षीय युवती के कथित सामूहिक बलात्कार के मामले ने मंगलवार को एक नाटकीय मोड़ ले लिया। इस मामले के एक आरोपी की बहन ने पीड़िता के बयान को चुनौती देते हुए उसके आरोपों को मनगढ़ंत करार दिया। कथित सामूहिक बलात्कार कांड के एक आरोपी राज विश्वकर्मा की बहन और खुद को शिकायतकर्ता की दोस्त बताने वाली एक महिला ने यहां प्रधानमंत्री के जनसंपर्क कार्यालय में संवाददाताओं के साथ बातचीत में आरोप लगाया कि कथित पीड़िता ने विश्वकर्मा पर झूठा आरोप लगाकर फंसाया है क्योंकि उसने उससे शादी करने से इनकार कर दिया था। महिला ने दावा किया, वह (कथित पीड़िता) इंस्टाग्राम पर लोगों से सम्पर्क करती थी। वह बाहर जाना पसंद करती थी और उसे फोटो खिंचवाने का शौक था। उसने मुझे फोन पर बताया कि उसका परिवार उसे बाहर नहीं जाने देता है। उसे नृत्य करना और बाहर घूमना पसंद है। उसने मुझसे इस सिलसिले में मदद मांगी। उसने बताया कि कथित पीड़िता 30 मार्च को एक पुरुष साथी के साथ उसके घर आई थी और खरीददारी के बहाने उसे मॉल में ले गई थी। उसने कहा, 'उसने कुछ तस्वीरें लेने के लिए मेरे फोन का इस्तेमाल किया, लेकिन कोई कपड़े नहीं खरीदे। वह आखिरी बार था जब मैंने उसे देखा था।' महिला ने यह भी दावा किया कि दो और तीन अप्रैल को कथित पीड़िता एक अन्य पुरुष मित्र के घर पर रुकी और अपने उस दोस्त के फोन से उससे संपर्क किया। उसने कहा, 'जब मैंने उस नंबर पर वापस कॉल की तो लड़के ने कहा कि वह दो सेट कपड़े और कुछ पैसे लेकर गई है। उसने तब भी मारपीट की घटना का जिक्र नहीं किया।'

उत्तर प्रदेश सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए तरह-तरह की चीजों को अपनाती है : अखिलेश यादव

लखनऊ : समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए तरह-तरह की चीजों को अपनाती है। सपा प्रमुख मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार द्वारा पुलिस बल में जाति आधारित पदस्थापन के आरोपों को निराधार और भ्रामक बताने के एक दिन बाद सपा प्रमुख ने थानों में एक जाति विशेष के अधिकारियों की तैनाती के अपने आरोपों की चर्चा करते हुए कहा, 'जब मैंने थानों में 'एसओ' और 'एसएचओ' पर 'सिंह साहब वाला बयान' दिया तो डीजीपी ने जवाब दिया।

हेमा मालिनी का ब्रजवासियों से यमुना नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान

मथुरा (उप्र) : मशहूर सिने अभिनेत्री और मथुरा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर ब्रजवासियों से यमुना नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस का ध्येयवाक्य 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' प्रधानमंत्री मोदी की प्रमुख सब्सिडी योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अनुरूप है। हेमा मालिनी ने कहा, ''यह योजना न केवल लोगों को पैसे बचाने का अवसर देती है, बल्कि बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी कम करती है।'' पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू 'रूफटॉप' सौर पहल है जिसके तहत 10 मार्च, 2025 तक 10 लाख घरों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। सांसद ने कहा कि 13 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई यह परिवर्तनकारी योजना भारत के ऊर्जा परिदृश्य को तेजी से नया आकार दे रही है। इस बीच, मथुरा के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा शुरू की गयी एक अन्य अनूठी योजना बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और अब तक 850 से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं। जिलाधिकारी की इस योजना के तहत हर शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण और नए शस्त्र लाइसेंस आवेदक को 10 पेड़ लगाना अनिवार्य है। पृथ्वी दिवस पर योजना के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा, ''इस पहल के पीछे का विचार लोगों को हमारे पौधे को बचाने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना था। हम अपने ग्रह की जितनी अधिक देखभाल करेंगे, वह उतना ही हमारा ख्याल रखेगा।'' मथुरा के सामाजिक वानिकी प्रभाग ने मंगलवार को पृथ्वी दिवस की थीम पर दो स्कूलों में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की।

न्यूज अपडेट

राहुल गांधी के लिए विदेशी अपने हैं और 'अपने देश के लोग बेगाने' : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी के लिए विदेशी अपने हैं और 'अपने देश के लोग बेगाने'। मौर्य ने मंगलवार को अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा राहुल गांधी के लिए विदेशी अपने हैं और 'अपने देश के लोग बेगाने'। उन्होंने इसी पोस्ट में कहा कड़वी सच्चाई यह है कि संविधान की किताब की आड़ लेकर वह लगातार अपने नेतृत्व की कमी को छिपाने का नाहक प्रयास कर रहे हैं। मौर्य ने कहा कि इस किताब को लेकर दर-दर भटकने के बावजूद उनको कोई फायदा नहीं मिलने वाला। 'अब देश-विदेश में उनको कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है।' उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी की छवि एक मसखरा नेता की बन चुकी है और कांग्रेस के कई नेता भी यह सच महसूस करते हैं। उन्होंने कहा ''लेकिन 50 से ज़्यादा चुनाव पार्टी को हराने के बाद भी कांग्रेस के इस शाही परिवार के गांधी पर कोई उंगली नहीं उठा सकता।

उप्र में 33 आईएएस और तीन आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए 11 जिलों के जिलाधिकारियों समेत 33 आईएएस अधिकारियों और तीन आईपीएस का तबादला कर दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तबादले में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक शिशिर को विशेष सचिव एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन और सीईओ खादी बोर्ड बनाया गया है, जबकि वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा को मुख्यमंत्री का नया सचिव नियुक्त किया गया है। भदोही के जिलाधिकारी विशाल सिंह नए निदेशक सूचना एवं संस्कृति होंगे, जबकि जिलाधिकारी वाराणसी एस राजलिंगम को मंडलायुक्त वाराणसी बनाया गया है। वाराणसी, हापुड़, आजमगढ़, बरेली, अंबेडकरनगर, गाजीपुर, झांसी, महोबा, कुशीनगर, संत कबीर नगर और भदोही समेत 11 जिलाधिकारियों का भी तबादला किया गया है। तबादला सूची के अनुसार, एल वेंकटेश्वर लू को प्रमुख सचिव परिवहन एवं अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के पद से मुक्त कर दिया गया है।

कोटा में नीट अभ्यर्थी ने छात्रावास के कमरे में फांसी लगाई

कोटा (राजस्थान) : कोटा में रहकर पढाई कर रहे बिहार के 18 वर्षीय एक 'नीट' अभ्यर्थी ने मंगलवार तड़के अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार कमरे से बरामद कथित 'सुसाइड नोट' में छात्र ने लिखा है कि उसके इस कदम के पीछे न तो उसका परिवार और न ही 'नीट-यूजी (मेडिकल प्रवेश परीक्षा)' की तैयारी कारण है। कुन्हाड़ी थाने के अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने कहा कि बिहार के छपरा का यह छात्र करीब एक साल से यहां एक कोचिंग संस्थान में नीट-यूजी की तैयारी कर रहा था और लैंडमार्क सिटी इलाके में एक छात्रावास में रह रहा था। भारद्वाज ने कहा कि यह आत्मघाती कदम उठाने से पहले इस छात्र ने अपनी बहन को व्हाट्सएप संदेश भेजा जिसके बाद उसने (छात्र की बहन ने) छात्रावास के 'केयरटेकर' को कॉल की और अपने भाई के कमरे को देखने को कहा। पुलिस अधिकारी के मुताबिक जब 'केयरटेकर' ने किशोर के कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। तब पुलिस मौके पर पहुंची और उसने दरवाजा तोड़ा। भारद्वाज ने बताया कि छात्र कमरे में फांसी पर लटका हुआ मिला।

बंदर और बिल्ली

एक बार की बात है, घने जंगल में एक शरारती बंदर और चतुर बिल्ली रहती थीं। बंदर अपने चंचल स्वभाव के लिए जाना जाता था, जबकि बिल्ली अपनी चतुराई के लिए जानी जाती थीं।

एक दिन, बंदर की नज़र एक स्वादिष्ट केले के पेड़ पर पड़ी और उसका मन करा की काश मैं उन केलो को खा पाता। उस केले के पेड़ की रखवाली एक भयंकर और क्रोधी शेर कर रहा है। बन्दर को डर लग रहा था की अगर मैं उस पेड़ के पास गया तो शेर उसको पकड़ लेगा। पर फिर भी वह अपने आप को नहीं रोक सका और केला तोड़ने के लिए आगे बढ़ा, जैसे ही बन्दर आगे बढ़ा, शेर ने जोर से दहाड़ कर उसे डरा दिया। बंदर निराश हो गया और वापस अपने पेड़ पर आ गया।

और यह सारा दृश्य बंदर की दोस्त बिल्ली दूर से देख रही थीं। उसने बंदर की असफल कोशिश देखी और उसकी मदद करने का फैसला किया।

बिल्ली बन्दर के पास गयी और उसको अपनी योजना बताई। बिल्ली ने सुझाव दिया कि वे शेर का ध्यान भटकाएगी और तुम जल्दी से उस पेड़ से कुछ केले ले लेना। कुछ ही देर में बिल्ली शेर के पास पहुँची और उसका ध्यान आकर्षित करने के लिए जोर-जोर से म्यांऊ करने लगी।

जैसे ही शेर ने बिल्ली की ओर अपना सिर घुमाया, बन्दर चुपचाप केले के पेड़ पर चढ़ गया और एक-एक करके केले गिराने लगा , जिससे ऐसा लगे जैसे वे स्वाभाविक रूप से गिर रहे हों। बिल्ली की म्याऊं-म्याऊं से विचलित शेर का ध्यान उनकी चतुर चाल पर नहीं गया।

जैसे ही बन्दर ने आखिरी केला गिराया, शेर को एहसास हुआ कि ये क्या हो रहा है। वह गुस्से में दहाड़ता हुआ बिल्ली का पीछा करने लगा। बिल्ली तेजी से जंगल की ओर भागीं। बंदर पेड़ से नीचे आया और जल्दी से जितने हो सके उतने केले इकट्ठा करके वहां से भाग गया।

आख़िरकार, बिल्ली शेर का ध्यान भटकाने में कामयाब रहीं और बंदर के पास लौट आईं। वे दोनों शेर से कमजोर थे लेकिन फिर भी उससे जीत गए।

बंदर ने बिल्ली को उसकी बहादुरी और चतुराई के लिए धन्यवाद किया । उस दिन से, दोनों दोस्त पेड़ से लाये स्वादिष्ट केलो को एक-दूसरे में बाँटने लगे और हमेशा क्रोधी शेर पर नज़र रखने लगे।

कहानी की शिक्षा

बंदर और बिल्ली की कहानी हमें दोस्ती, टीम वर्क और चतुर सोच का महत्व सिखाती है। यह दर्शाता है कि जब हम एक साथ काम करते हैं और अपनी ताकत का उपयोग करते हैं, तो हम अपने रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा को दूर कर सकते हैं।

गुलाबी बगीचे की राजकुमारी

एक बार की बात है, दूर किसी देश में माया नाम की एक राजकुमारी रहती थी। उसका महल चारों तरफ से फूलों के बगीचे से घिरा हुआ था। उसके बगीचे में सिर्फ गुलाबी रंग के ही फूल थे।

माया को बगीचे में समय बिताना, फूलों की देखभाल करना और वहां रहने वाले जानवरों के साथ खेलना बहुत पसंद था।

एक दिन, बगीचे में काम करने के लिए एक नया माली आया। उसका नाम राजू था और उसका विचार था कि बगीचे में हर रंग के फूल होने चाहिए। इसलिए वह लाल और पीले रंग के फूल लगाना चाहता था। परंतु माया राजकुमारी को उसका यह विचार बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। क्योंकि उसको गुलाबी रंग के फूल बहुत पसंद थे और वह उस बगीचे में कोई भी बदलाव नहीं करना चाहती थी।

लेकिन राजू ने उसकी बात नहीं मानी और अलग-अलग रंग के फूल लगाने शुरू कर दिए। माया राजकुमारी को उस पर बहुत गुस्सा आया और वह बहुत परेशान हो गई। उसको समझ नहीं आया कि अब क्या करें इसलिए वह मदद मांगने के लिए अपनी मां के पास गई।

रानी ने माया की समस्या सुनी और फिर उसे कुछ सलाह दी। उन्होंने माया से कहा कि बदलाव जीवन का एक हिस्सा है और हमें इसे अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि फूलों के विभिन्न रंग बगीचे को और भी सुंदर और दिलचस्प बना सकते हैं। रानी ने माया को यह भी याद दिलाया कि वह एक राजकुमारी थी और राजू सहित सभी के प्रति दयालु और सम्मानजनक होना उसकी ज़िम्मेदारी थी।

माया ने अपनी माँ की सलाह को समझा और राजू को एक मौका देने का फैसला किया। उसने विभिन्न रंगों के फूल लगाने में उसकी मदद करना शुरू कर दिया और महसूस किया कि बगीचा पहले से भी अधिक सुंदर लग रहा है। अब बगीचे के जानवर भी खुश थे क्योंकि उनके पास खेलने के लिए अधिक रंग के फूल थे।

उस दिन माया ने एक महत्वपूर्ण सबक सीखा। उसने सीखा कि बदलाव एक अच्छी बात हो सकती है और हमें हमेशा नए विचारों के लिए खुला रहना चाहिए। उसने यह भी सीखा कि दूसरों के प्रति दयालु और सम्मानजनक होना बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर जब हम उनसे सहमत नहीं होते हैं।

नैतिक शिक्षा

कहानी का सार यह है कि परिवर्तन जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है और हमें इसे अपनाना चाहिए। हमें दूसरों के प्रति दयालु और सम्मानजनक होना चाहिए, भले ही हम उनसे सहमत न हों। ऐसा करके हम दुनिया को एक बेहतर जगह बना सकते हैं।

मजबूत दोस्ती

एक बार की बात है, एक छोटे से गाँव में रवि और रोहित नाम के दो सबसे अच्छे दोस्त रहते थे। उन्हें कोई अलग नहीं कर सकता था और वे सब कुछ एक साथ करते थे। वे अपना लंच साझा करते थे, एक साथ खेलते थे और यहां तक कि एक साथ पढ़ाई भी करते थे।

उनकी दोस्ती पुरे शहर में चर्चा का विषय थी, और लोग उनके बंधन की प्रशंसा करते थे। एक दिन, रवि के पिता का स्थानांतरण दूसरे शहर में हो गया, और रवि को दूर जाना पड़ा। जब रोहित ने यह खबर सुनी तो वह टूट गया लेकिन उसने अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ संपर्क में रहने का वादा किया।

दिन हफ्तों में और हफ्ते महीनों में बदल गये, लेकिन रोहित को रवि का कोई पत्र या फोन नहीं आया। वह चिंतित था और उसे अपने मित्र की बहुत याद आती थी। उन्होंने रवि को पत्र लिखकर अपनी चिंता व्यक्त करने और उनका हालचाल पूछने का फैसला किया।

कुछ दिनों के बाद, रोहित को रवि का एक पत्र मिला, जिसमें उसने संपर्क न रख पाने के लिए माफ़ी मांगी और बताया कि वह नए शहर में तालमेल बिठाने में कठिन समय से गुज़र रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्हें अपने दोस्त और उनके बंधन की याद आती है और उन्होंने अब से एक बेहतर दोस्त बनने का वादा किया।

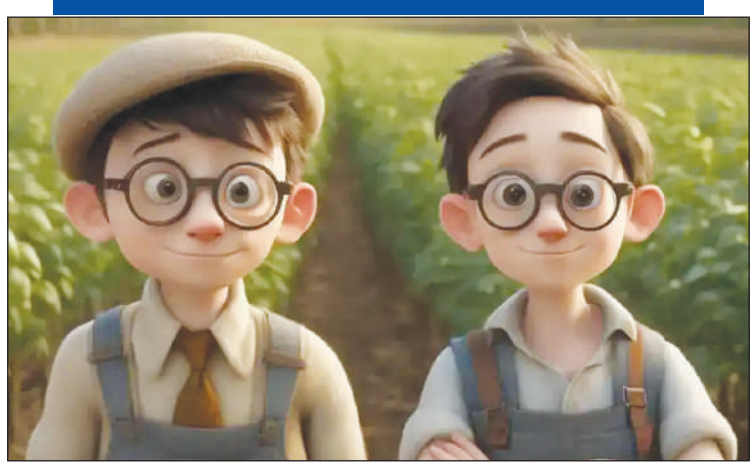

रोहित अपने सबसे अच्छे दोस्त की बात सुनकर रोमांचित हो गया और उसने उसे अपने प्यार और समर्थन का आश्वासन देते हुए तुरंत जवाब लिखा।

उन्होंने नियमित रूप से पत्र लिखना, अपने अनुभव साझा करना और एक-दूसरे को अपने जीवन के बारे में जानकारी देना शुरू कर दिया।

साल बीतते गए और रवि और रोहित दोनों बड़े होकर सफल व्यक्ति बन गए। उन्होंने अपने सपनों का पीछा किया, लेकिन उनकी दोस्ती बरकरार रही। वे पत्र लिखते रहे और जब भी मौका मिलता, मिलते और साथ समय बिताते।

उनकी दोस्ती समय, दूरी और यहां तक कि जीवन के उतार-चढ़ाव की कसौटी पर खरी उतरी थी। वे वास्तव में एक-दूसरे का सपोर्ट सिस्टम बन गए थे और उन्होंने एक-दूसरे का विश्वास और प्यार अर्जित किया था।

नैतिक शिक्षा

इस कहानी की सीख यह है कि सच्ची दोस्ती एक दुर्लभ और अनमोल उपहार है। इसके लिए दोनों पक्षों के प्रयास, प्रतिबद्धता और विश्वास की आवश्यकता होती है। यहां तक कि जब जिंदगी हमें अलग-अलग रास्तों पर ले जाती है, तब भी सच्चे दोस्त हमेशा एक-दूसरे के पास वापस आने का रास्ता ढूंढ ही लेते हैं। यह एक ऐसा बंधन है जो जीवन भर चलता है और अनगिनत तरीकों से हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है।

इसलिए, अपने दोस्तों की कद्र करें और अपनी दोस्ती बनाए रखने का प्रयास करें। याद रखें कि एक मजबूत दोस्ती किसी भी बाधा को पार कर सकती है, और सच्चे दोस्त हमेशा आपके लिए रहेंगे, चाहे कुछ भी हो।

जंगल का सच्चा दोस्त

एक जंगल में कई प्रकार के पशु-पक्षी रहते थे, लेकिन अक्सर वे एक-दूसरे से दूरी बनाए रखते थे क्योंकि उनके रंग, आकार और आदतें अलग-अलग थीं। वहां एक सुंदर और समझदार हिरन, हीरा, रहता था जो सभी से दोस्ती करना चाहता था।

एक दिन जंगल में आग लग गई, और सभी जानवर इधर-उधर भागने लगे। छोटे जानवर डर के मारे छिपने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आग फैलती जा रही थी। हीरा ने सोचा कि अगर वे सब मिलकर एक-दूसरे की मदद करें तो सुरक्षित जगह तक पहुंच सकते हैं। उसने चीखकर सभी को एकजुट होने को कहा। धीरे-धीरे जानवर एकत्रित हुए और हीरा की योजना के अनुसार, एक-दूसरे की मदद करते हुए सुरक्षित जगह पर पहुंचे।

उस दिन के बाद जंगल में सभी जानवरों ने मिलकर रहना शुरू किया और एक-दूसरे के प्रति अपने भेदभाव को छोड़ दिया।

सीख: सच्ची दोस्ती और एकता में रंग, आकार या जाति का कोई महत्व नहीं होता।

'तुम लोगों ने मोदी को सिर पर चढ़ा रखा है...', पहलगाम में पर्यटकों पर गोली बरसाते वक्त बोला आतंकी

आतंकियों ने धर्म पूछ-पूछकर मारी गोली, बिलखती पत्नी की बात सुन दहल जाएगा दिल

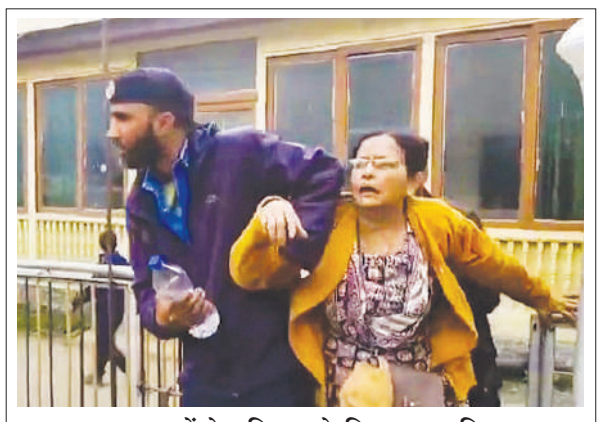

सुरक्षाबलों ने महिला को निकाला सुरक्षित

खुफिया ब्यूरो के अधिकारी की भी गई जान

हमले में हैदराबाद में तैनात खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी मनीष रंजन की भी मौत हो गई। मनीष बिहार निवासी थे। वह छुट्टी मनाने के लिए परिवार के साथ पहलगाम गए थे। आईबी के सूत्रों से मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, उन्हें उनकी पत्नी और बच्चे के सामने गोली मारी गई। मनीष रंजन पिछले दो वर्षों से आईबी के हैदराबाद कार्यालय के मंत्री अनुभाग में कार्यरत थे।

सुरक्षा बलों ने घेरा पूरा इलाका

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में एक बेहद ही दिल दहला देना वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो इतना भयावह है कि हम आपको दिखा नहीं सकते लेकिन जो बात वीडियो में कही गई है वो बता रहे हैं। एक महिला रोती हुई मदद मांग रही है वह वहां मौजूद किसी स्थानीय व्यक्ति से कह रही है कि आतंकी धर्म पूछ-पूछकर लोगों को गोली मार रहे थे।

ये मुस्लिम नहीं और मार दी गोली

मैं और मेरे पति यहां पर बैठकर भेल खा रहे थे। इस बीच आतंकी आते हैं और कहते हैं ये मुस्लिम नहीं लग रहे, इन्हें मार दो और मेरे पति को गोली मार दी। वहीं एक अन्य महिला कहती हुई नजर आ रही है कि मेरे पति को बचा लो।।।वो वहां पर पड़े हैं। वहीं एक अन्य महिला अपने पति को कुर्सी पर बैठाए हुए है और कहती हुई नजर आ रही है कि प्लीज मेरी मदद करो। इन्हें गोली लगी है।

'कोई मेरे बेटे को बचा लो'

वीडियो में एक अन्य महिला कहती हुई नजर आ रही है कि कोई मेरे बेटे को बचाए। इस पर स्थानीय व्यक्ति पूछता है कि कहां है आपका बेटा। महिला घास के मैदान की तरफ इशारा करके बताती है कि वहां है। इस पर स्थानीय कहता है कि आप चिंता मत करो हम हैं आपकी मदद के लिए।

'तुमको नहीं मार रहा.. जाकर मोदी को बता देना', महिला पीड़ितों ने बयां किया दर्द

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले के दौरान मदद के लिए लोग चीख-पुकार रहे थे। आतंकी हथियारों से लैस होकर आए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि जैसे ही गोलियां चलनी शुरू हुईं, स्थानीय लोग सुरक्षा के लिए भाग गए, जिससे पर्यटक बेबस होकर रह गए। वहीं एक महिला पीड़ित ने दावा किया है कि गोलियां चलाने वाले ने कहा कि 'तुमको नहीं मार रहा, जाकर मोदी को बता देना'।

आतंकी हमले में नेवी अफसर की गई जान, 3 दिन पहले हुई शादी, हनीमून पर गए थे कश्मीर

पहलगाम आतंकी हमले में भारतीय नौसेना के एक अधिकारी और खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी की जान चली गई। नेवी अफसर लेफ्टिनेंट विनय नरवाल कोच्चि में तैनात थे। उनकी शादी 19 अप्रैल को हुई थी और वे हनीमून मनाने वहां गए थे। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल हरियाणा के मूल निवासी हैं। उनकी पत्नी सुरक्षित हैं। दंपति सोमवार को श्रीनगर पहुंचे थे और फिर पहलगाम घूमने गए थे। घटना के बाद पत्नी की अपने पति के शव के साथ तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

मेरे पिता से आयत पढ़ने के लिए कहा, फिर गोलियां बरसा दीं: आतंकी हमले के पीड़ित की बेटी

मुंबई : कश्मीर के पहलगाम शहर के पास हुए आतंकवादी हमले में दिल को झकझोर देने वाले दृश्य सामने आ रहे हैं। लोकप्रिय बैसरन में जब आतंकवादियों ने धावा बोला तो लोग डर के मारे तंबू के अंदर छिप गया। आतंकवादियों ने 54 वर्षीय संतोष जगदाले को तंबू से बाहर आने और इस्लाम की एक आयत पढ़ने के लिए कहा। जब वह आयत नहीं पढ़ पाए तो आतंकवादियो ने जगदाले को गोलियों से छलनी कर दिया। उन्होंने जगदाले पर तीन बार गोली मारी, एक बार उनके सिर में, फिर कान के पीछे और फिर पीठ में गोली मारी। संतोष जगदाले पुणे के एक व्यवसायी थे। उनकी 26 वर्षीय बेटी असावरी जगदाले ने 'पीटीआई-भाषा' को आपबीती सुनाई। जगदाले की बेटी ने कहा, ''पिता के जमीन पर गिर जाने के बाद, बंदूकधारियों ने मेरे बगल में चाचा पर हमला किया और उनकी पीठ में कई गोलियां बरसाईं।'' असावरी जगदाले ने इस हमले के पांच घंटे बाद 'पीटीआई-भाषा' को टेलीफोन पर बताया, ''हम पांच लोगों का समूह थे, जिसमें मेरे माता-पिता भी शामिल थे। जब गोलीबारी शुरू हुई तब हम पहलगाम के पास बैसरन घाटी एवं मिनी स्विटजरलैंड नामक जगह पर थे।'' कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। असावरी को नहीं पता कि उनके पिता और चाचा जिंदा हैं भी या उनकी मौत हो चुकी है। असावरी, उनकी मां और एक अन्य महिला रिश्तेदार किसी तरह बच गईं तथा स्थानीय लोगों और सुरक्षाबलों ने उन्हें पहलगाम क्लब पहुंचाया। असावरी (26) पुणे में मानव संसाधन पेशेवर हैं। उन्होंने बताया कि उनका परिवार इस खूबसूरत जगह पर छुट्टियां मनाने के लिए गया था। उन्होंने पास की पहाड़ी से उतर रहे लोगों द्वारा की जा रही गोलीबारी की आवाज सुनी। असावरी ने बताया कि गोलीबारी करने वाले लोगों ने स्थानीय पुलिस के जैसे कपड़े पहने हुए थे।

आतंकी हमला: पूरे जम्मू में सुरक्षा बढ़ाई गई, विभिन्न समूहों ने बंद और विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) सहित विभिन्न दलों ने बुधवार को बंद और विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया, जिसके चलते पूरे जम्मू में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई, 'जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री', जम्मू बार एसोसिएशन, विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने भीषण हमले में निर्दोष हत्याओं के विरोध में बुधवार को अलग-अलग पूरे दिन का 'जम्मू बंद' का आह्वान किया है। उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की निंदा के लिए अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों की भी घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति से निपटने की रणनीति तैयार करने के लिए आज देर शाम यहां पुलिस नियंत्रण कक्ष में जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी की संयुक्त अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक हुई। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में स्थिति की समीक्षा की गई और शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने का निर्णय लिया गया।

न्यूज इन ब्रीफ

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी, फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर : छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की पुलिस ने ब्राह्मण समाज के खिलाफ कथित तौर पर अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोप में फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक लाल उम्मेद सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और छत्तीसगढ़ प्रभारी पंडित नीलकंठ त्रिपाठी तथा अन्य की शिकायत पर शहर के कोतवाली थाना की पुलिस ने फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ईडी ने भंडारी के भारत प्रत्यर्पण से इनकार संबंधी ब्रिटिश न्यायाधीश के आदेश की अदालत को जानकारी दी

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हथियार डीलर संजय भंडारी को भारत प्रत्यर्पित करने से इनकार करने संबंधी एक ब्रिटिश अदालत के आदेश के खिलाफ अपनी अपील खारिज हो जाने के बारे में दिल्ली की एक अदालत को मंगलवार को जानकारी दी। ईडी ने भंडारी और अन्य के खिलाफ धन शोधन मामले की सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश नीलोफर आबिदा परवीन के समक्ष यह दलील दी। संघीय जांच एजेंसी ने न्यायाधीश को बताया कि भंडारी को ''भगोड़ा'' घोषित करने की मांग करने संबंधी उसकी अर्जी वर्तम--न में दिल्ली की एक अन्य अदालत में लंबित है, जो तीन मई को मामले की सुनवाई करेगी।

पेगासस विवाद: याचिकाओं पर सुनवाई के लिए उच्चतम न्यायालय ने 29 अप्रैल की तारीख तय की

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने पत्रकारों समेत अन्य लोगों की निगरानी के लिए पे-गासस स्पाइवेयर के कथित अनधिकृत इस्तेमाल की जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए मंगलवार को अगले सप्ताह की तारीख तय की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने समय के अभाव में सुनवाई टालते हुए इसके लिए 29 अप्रैल की तारीख निर्धारित की। कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले एक तकनीकी पैनल की रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था, लेकिन ऐसी कोई रिपोर्ट साझा नहीं की गई।

उपेक्षा से संगठन अपना चरित्र और दिशा खो देते हैं: मोहन भागवत

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी संगठन की उपेक्षा की जाती है तो उसके अपना चरित्र और दिशा बदल लेने की आशंका बढ़ जाती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नये कार्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि जब कोई संगठन छोटा होता है तो वह सीमित संसाधनों के साथ अपना काम करता है। उन्होंने कहा, ''जब कोई संगठन विकास करता है, तो अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। जब वह राष्ट्र के जीवन में स्थान प्राप्त करता है, तो उसे विभिन्न प्रकार के संसाधनों की आवश्यकता होती है। प्रत्येक संगठन की अपनी आत्मा और शरीर होता है।'' भागवत ने यह बात सभा को संबोधित करते हुए कही, जिसमें वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता भी शामिल थे। भागवत ने कहा, ''यदि किसी संगठन का बाहरी स्वरूप खराब है, तो उसकी उपेक्षा की जाती है। यदि वह समृद्ध है, तो उससे ईर्ष्या होती है। कई बार, यदि संगठन की उपेक्षा की जाती है, तो उसका चरित्र और दिशा भी बदल जाती है।'' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख भागवत ने कहा कि किसी संगठन को अत्यधिक दिखावटी नहीं होना चाहिए और न ही उसे अपना कार्य करने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कार्यकर्ताओं को एक संतुलित, मध्यम मार्ग अपनाना होगा और ऐसी सोच जागरूक, समर्पित कार्यकर्ताओं से आती है।''

क्रिकेट 'मैच फिक्सिंग' का देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर वित्तीय प्रभाव पड़ता है : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने 2019 के टी20 कर्नाटक प्रीमियर लीग सट्टेबाजी प्रकरण की तह तक जांच किये जाने की जरूरत बताते हुए मंगलवार को कहा कि क्रिकेट 'मैच फिक्सिंग' का देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर वित्तीय प्रभाव पड़ता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उच्च न्यायालय के 10 जनवरी 2022 के आदेश के खिलाफ कर्नाटक पुलिस द्वारा दायर याचिका में सहायता के लिए अधिवक्ता शिवम सिंह को न्याय मित्र नियुक्त किया। पीठ ने कहा, ''हम इस मुद्दे की तह तक जांच करने को इच्छुक हैं। इसका (मैच फिक्सिंग) अर्थव्यवस्था पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ता है। आज हम ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहते जिससे लगे कि हम इस मुद्दे पर पहले से ही अपनी राय बना रहे हैं। लेकिन इस तरह की सट्टेबाजी का अर्थव्यवस्था पर बहुत गंभीर वित्तीय प्रभाव पड़ता है।'' न्यायमूर्ति कांत ने इस तथ्य पर गौर किया कि कर्नाटक सरकार की अपील 2022 में दायर की गई थी और अब तीन साल बाद अदालत के समक्ष सुनवाई के लिए आई है। न्यायाधीश ने कहा, ''यह मामला कहां गायब हो गया था? तीन साल तक इसे सूचीबद्ध नहीं किया गया। हमें बताएं कि मेरी सेवानिवृत्ति का इंतजार कौन कर रहा था।'' इसके बाद, अदालत ने निर्देश दिया कि मामले को चार सप्ताह के बाद मामला सूची से नहीं हटाया जाए और मामले को सूचीबद्ध न करने के लिए रजिस्ट्री से स्पष्टीकरण मांगा। केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि 'मैच फिक्सिंग' खेल समुदाय के लिए हानिकारक है।

कानपुर मेट्रो के दूसरे चरण का 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

कानपुर (उप्र) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 अप्रैल को कानपुर मेट्रो के दूसरे चरण के तहत निर्मित सात किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार चुन्नीगंज को कानपुर सेंट्रल से जोड़ने वाला सात किलोमीटर का भूमिगत गलियारा इस मेट्रो नेटवर्क में पांच नए स्टेशन- चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा, नयागंज और कानपुर सेंट्रल जोड़ेगा। कानपुर मेट्रो के दूसरे चरण से शहर में नगरीय परिवहन में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। इससे प्रतिदिन एक लाख से अधिक यात्रियों को तेज और अधिक सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। उन्होंने बताया कि दो हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह नया खंड अपने निर्धारित समय से पहले ही मात्र तीन वर्ष और चार माह में बनकर तैयार हो गया है।

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को झटका

बेल्जियम की कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

नयी दिल्ली : बेल्जियम की एक अदालत ने मंगलवार को भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की जमानत याचिका खारिज कर दी। चोकसी 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी है। उनके वकील ने यह जानकारी दी। चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम पुलिस ने एंटवर्प में गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई थी। चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि मंगलवार को अदालत की सुनवाई के दौरान उनके मुव्वकिल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया।

महाराष्ट्र: कक्षा एक से पांच तक के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने के आदेश पर रोक

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने विभिन्न वर्गों के विरोध के मद्देनजर मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने के अपने आदेश पर रोक लगा दी है। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने मंगलवार को सरकारी आदेश (जीआर) पर रोक लगाने की घोषणा की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हम अनिवार्य शब्द (जैसा कि सरकारी आदेश में उल्लेख किया गया है) पर रोक लगा रहे हैं। हम संशोधित सरकारी आदेश जारी करेंगे।'' भूसे ने कहा कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी सीखना स्वैच्छिक होगा। यह कदम महाराष्ट्र सरकार की भाषा परामर्श समिति द्वारा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से निर्णय को वापस लेने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद उठाया गया है।

राहुल के आरोपों पर ईसी सूत्रों ने कहा: 'भ्रामक सूचना' का प्रसार कानून का अनादर

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र चुनाव में असामान्य मतदान से संबंधित राहुल गांधी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि कोई भी ''भ्रामक सूचना'' फैलाना कानून के प्रति अनादर का संकेत है और राजनीतिक कार्यकर्ताओं तथा मतदान कर्मियों के प्रयासों को कमजोर करने वाला है। आयोग के सूत्रों ने कहा कि इस तरह के दावों से राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी होती है और चुनावों के दौरान अथक एवं पारदर्शी तरीके से काम करने वाले लाखों चुनाव कर्मचारियों का मनोबल गिरता है। सूत्रों का कहना है कि मतदाताओं द्वारा किसी भी प्रतिकूल फैसले के बाद, यह कहकर चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है कि समझौता किया गया है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' देश के लिए फायदेमंद साबित होगा : अनुराग ठाकुर

श्रीनगर : भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' फॉर्मूला लागू करना देश के लिए फायदेमंद साबित होगा क्योंकि यह न केवल विभिन्न चुनावों पर होने वाले खर्चों में कटौती करेगा, बल्कि इससे काफी समय भी बचेगा। ठाकुर ने कहा, ''हरियाणा और जम्मू कश्मीर में (विधानसभा) चुनाव पिछले साल लोकसभा चुनाव के कुछ महीनों के भीतर हुए थे। इसके बाद महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में (विधानसभा) चुनाव हुए। इस प्रकार, साल भर में कम से कम पांच विधानसभाओं के चुनाव हुए।'' ठाकुर ने श्रीनगर में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर पार्टी के एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''यदि सभी चुनाव एक साथ कराए जाते हैं तो इससे खर्च में कमी आएगी, समय की बचत होगी और मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों का खर्च कम होगा और देश को धन की बचत करने में मदद मिलेगी। ठाकुर ने कहा, ''राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, अन्य संस्थानों और केंद्र द्वारा (2024) लोकसभा चुनावों में लगभग 1।5 लाख करोड़ रुपये खर्च किये गए थे, जिसे बचाया जा सकता है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 1।5 प्रतिशत जोड़ सकता है। इस तरह, यह भारत के लिए लाभकारी स्थिति होगी, जिसमें लोगों को पांच साल के लिए एक अच्छी सरकार मिलेगी।''

मुंबई : 26/11 के शहीद पुलिसकर्मी की विधवा को डीएसपी नियुक्त किया गया

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने 26/11 के आतंकवादी हमलों में शहीद हुए पुलिस कांस्टेबल अंबादास पवार की विधवा कल्पना पवार को मंगलवार को परिवीक्षाधीन पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कल्पना की सीधी नियुक्ति को लेकर यह आदेश जारी किया। कल्पना पवार ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने आम नागरिक को न्याय दिलाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, ''मेरे पति की तरह मुझे भी लोगों की सेवा करने का मौका मिला। मेरी नियुक्ति साबित करती है कि यह सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं और देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने वालों की है।'' शहीद अंबादास पवार को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को आतंकी हमला हुआ था, जिसमें आतंकवादियों ने शहर में कई जगहों को निशाना बनाया था और इस हमले के दौरान पवार रात की ड्यूटी पर थे जो सादे कपड़ों में सुरक्षा इकाई कार्यालय जा रहे थे। पवार के पास कोई हथियार भी नहीं था। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पर उन्होंने देखा कि आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) का एक अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया है। इसके बाद पवार ने उससे राइफल ली और आतंकवादियों पर गोली चलाई, लेकिन इस हमले में पवार की जान चली गई।

'संसद ही सर्वोपरि', न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका की बहस के बीच उपराष्ट्रपति का बड़ा बयान

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संसद ही सर्वोपरि है। हर सांविधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से जुड़ा होता है। दिल्ली विवि में एक कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारों के अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट को घेरा। उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा, ये वही तय करेंगे जो चुनकर आए हैं। इसके ऊपर कोई नहीं होगा। संसद सर्वोपरि है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पियों का हवाला दिया। इसमें गोरकनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है। जबकि दूसरे केशवानंद भारती मामले में कोर्ट ने कहा था कि यह संविधान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सांविधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च हित से निर्देशित होता है। मुझे यह बात काफी दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि सांविधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका चाहे वह सांविधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक के बारे में गलत समझ से कोई भी चीज दूर नहीं हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और टिप्पणियों को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लगातार सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका की तरफ से राष्ट्रपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता।

शक्ति दुबे सिविल सेवा परीक्षा में अव्वल; हर्षिता गोयल, डोंगरे अर्चित पराग को द्वितीय, तृतीय स्थान

नयी दिल्ली : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा मंगलवार को घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2024 के परिणाम में शक्ति दुबे ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। दुबे ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातक (विज्ञान स्नातक) किया है। आयोग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि दुबे ने राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध को वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की और शीर्ष स्थान प्राप्त किया। एम.एस. विश्वविद्यालय बड़ौदा से बी.कॉम. स्नातक हर्षिता गोयल ने वैकल्पिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। डोंगरे अर्चित पराग ने वीआईटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने वैकल्पिक विषय दर्शनशास्त्र के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। यूपीएससी द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों का चयन करने के लिए प्रतिवर्ष तीन चरणों - प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार - में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित की जाती है। सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2024, पिछले साल 16 जून को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के लिए कुल 9,92,599 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 5,83,213 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। कुल 14,627 उम्मीदवारों ने लिखित (मुख्य) परीक्षा में बैठने के लिए अर्हता प्राप्त की, जो सितंबर 2024 में आयोजित की गई थी। इनमें से 2,845 उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण या साक्षात्कार के लिए उत्तीर्ण हुए। इनमें से 1,009 अभ्यर्थियों (725 पुरुष और 284 महिलाएं) को विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित किया गया है। अंतिम रूप से योग्य अभ्यर्थियों में शीर्ष पांच में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं।

खराब फॉर्म से जूझ रही सनराइजर्स का सामना जीत की राह पर लौटी मुंबई इंडियंस से

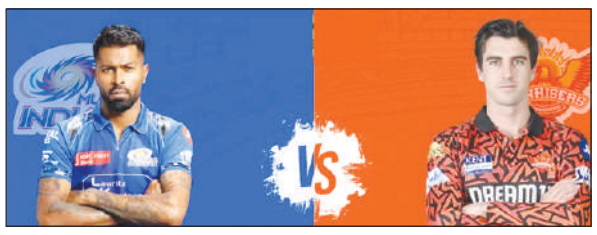

हैदराबाद: खराब फॉर्म से जूझ रही सनराइजर्स हैदराबाद अपने घरेलू मैदान पर बुधवार को आईपीएल के मैच में मुंबई इंडियंस से खेलेगी तो लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा जबकि खोई लय हासिल करने की राह पर अग्रसर मुंबई जीत का सिलसिला कायम रखना चाहेगी। सात मैचों में दो जीत के बाद सनराइजर्स की स्थिति अच्छी नहीं है। उसके स्टार बल्लेबाजों ने उसे निराश किया जबकि गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर सके हैं। सनराइजर्स को धीमी और टर्निंग पिचों पर दिक्कतें आई है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम दो घरेलू मैच भी हार चुकी है। वानखेड़े स्टेडियम की पेचीदा पिच पर मुंबई ने उसे चार विकेट से हराया और इसी मैच में चुनौतीपूर्ण हालात के सामने उसकी कमजोरियों की कलई खुल गई। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने सपाट विकेटों पर अच्छा प्रदर्शन किया है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ अनुकूल पिच पर खेलने से उनके सामने खोई लय हासिल करने का सुनहरा मौका है। सनराइजर्स की बल्लेबाजी का दारोमदार उसकी सलामी जोड़ी अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड पर होगा। पावरप्ले में उनका कामयाब रहना टीम के लिये बहुत जरूरी है। अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां पिछले मैच में 55 गेंद में 141 रन बनाये थे जो इस आईपीएल में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है। हेड के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव चिंता का सबब है। सनराइजर्स को अपने इस आस्ट्रेलियाई स्टार से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी क्योंकि इस मैच में हार से टीम की स्थिति खराब हो जायेगी।

राहुल और पोरेल के अर्धशतकों से दिल्ली कैपिटल्स ने एलएसजी को आठ विकेट से हराया

लखनऊ : मुकेश कुमार की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अनुभवी लोकेश राहुल और सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स(एलएसजी) को आठ विकेट से शिकस्त दी। 'प्लेयर ऑफ मैच' मुकेश ने चार ओवर में 33 रन देकर चार विकेट झटके जिससे एलएसजी की टीम एडेन मारक्रम की अर्धशतकीय पारी के बावजूद छह विकेट पर 159 रन पर रोकने के बाद राहुल और अभिषेक के प्रयास से 17.5 ओवर में दो विकेट गवां कर लक्ष्य हासिल कर लिया। राहुल ने तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 42 गेंद में नाबाद 57 रन की संयमित पारी के दौरान आईपीएल में सबसे कम पारियों में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 130 पारियों में इस आंकड़े तक पहुंच कर डेविड वार्नर (135 गेंद) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। राहुल ने पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 49 गेंद में 69 रन की साझेदारी करने के बाद अक्षर पटेल के साथ 36 गेंद में 56 रन की अटूट साझेदारी की। पोरेल ने 36 गेंद में पांच चौके और एक छक्का की मदद से 51 रन बनाये जबकि दिल्ली के कप्तान अक्षर ने 20 गेंद में 34 रन की नाबाद पारी के दौरान चार छक्के और एक चौका जड़ा। एलएसजी के लिए दोनों विकेट मारक्रम ने लिये। सलामी बल्लेबाज मारक्रम ने मिचेल मार्श के साथ पहले विकेट के लिए 60 गेंद में 87 रन की साझेदारी की लेकिन टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा सके। मारक्रम ने 33 गेंद की पारी में दो चौके और तीन छक्के लगाये जबकि मार्श ने 36 गेंद में एक छक्का और तीन चौके जड़े। आखिरी ओवर में आयुष बडोनी ने 21 गेंद में छह चौके की मदद से 36 रन बनाकर टीम के स्कोर को 160 के करीब पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए करुण नायर ने शारदुल ठाकुर के खिलाफ दो चौके जड़े तो वहीं पोरेल ने ओवर का तीसरा चौका लगाकर हाथ खोला। नायर ने चौथे ओवर में मारक्रम की गेंद को दर्शकों के पास भेजकर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गये। उन्होंने नौ गेंद में 15 रन बनाये। लोकेश राहुल ने प्रिंस यादव के खिलाफ फ्लिक कर चार रन बटोरने के बाद आवेश की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराये। पारी के इस छठे ओवर में पोरेल ने भी फुलटॉस गेंद पर चार बटोर कर टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। पावरप्ले के बाद दिल्ली का स्कोर एक विकेट पर 54 रन था। दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई ने अगले तीन ओवर में रनगति पर लगाम लगाकर दिल्ली के बल्लेबाजों पर दबाव बनाया।

न्यूज अपडेट

पेरू विश्व कप में तीसरे स्थान पर रहा भारत

लीमा (पेरू): भारत यहां संपन्न हुई आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन पृथ्वीराज टोंडिमान और प्रगति दुबे की भारतीय जोड़ी ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा के पदक दौर में पहुंचने में असफल रही। सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने सोमवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत को अंतिम पदक दिलाया। इससे देश के पदकों की संख्या सात हो गई, जिसमें दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य शामिल हैं। अमेरिका ने भी सात पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया लेकिन अधिक स्वर्ण पदक जीतने के कारण वह भारत से आगे दूसरे स्थान पर रहा। चीन चार स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा। भारत के लिए असाधारण प्रदर्शन करने वाली 18 वर्षीय सुरुचि इंदर सिंह थी, जिन्होंने देश के लिए दोनों स्वर्ण जीते। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल का मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी हासिल किया।

सत्यनारायण ने राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में ओडिशा को पहला पदक दिलाया

कोटा (राजस्थान): हिमांशी (53 किग्रा) और मुस्कान (59 किग्रा) ने अंडर-20 कुश्ती राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अंतिम दिन स्वर्ण पदक जीते, जिससे हरियाणा को महिला टीम चैंपियनशिप जीतने में मदद मिली। पहलवान सत्यनारायण ने ग्रीको रोमन श्रेणी में ओडिशा को इस प्रतियोगिता में पहला पदक (कांस्य) दिलाया। अंतिम दिन तीन पुरुष फ्रीस्टाइल, तीन महिला और चार ग्रीको रोमन शैली श्रेणियों में प्रतियोगिताएं हुईं। हरियाणा ने उम्मीद के मुताबिक तीनों टीम चैंपियनशिप जीतीं । टीम ने पुरुष फ्रीस्टाइल (194 अंक), ग्रीको रोमन (195 अंक) और महिला (214 अंक) श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया लेकिन ओडिशा ने ऐतिहासिक क्षण का आनंद लिया जब सत्यनारायण ने 130 किग्रा वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के लिए पहला पदक जीता। अश्विनी (65 किग्रा), अमित (79 किग्रा) और सचिन (92 किग्रा) पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में विजेता बने, जबकि मुकुल चौहान (63 किग्रा), अमन (77 किग्रा), प्रिंस (82 किग्रा) और उत्तम राणा (130 किग्रा) ने ग्रीको रोमन शैली में स्वर्ण पदक जीता। हिमांशी और मुस्कान के अलावा, दिल्ली की दृष्टि (68 किग्रा) महिलाओं की स्पर्धा में शीर्ष पर रहीं।

मैड्रिड ओपन के पहले दौर में हारी ओसाका

मैड्रिड : स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका का क्ले कोर्ट सत्र मंगलवार को मैड्रिड ओपन के पहले दौर में लूसिया ब्रोंजेटी के खिलाफ हार के साथ शुरू हुआ। जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को ब्रोंजेटी ने 6-4, 2-6, 6-4 से हराया। दुनिया की 55वीं रैंकिंग वाली ओसाका मियामी ओपन के चौथे दौर में पहुंचने के लगभग एक महीने बाद अपना पहला मैच खेल रहीं थी और उन्हें कोई वरीयता नहीं मिली है। इटली की ब्रोंजेटी दूसरे दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की मेडिसन कीज से भिड़ेगी। पिछले महीने मियामी में वाइल्ड कार्ड धारक के रूप में ईगा स्वियातेक को हराने वाली एलेक्जेंड्रा ऐला दूसरे दौर में पोलैंड की इसी खिलाड़ी के खिलाफ खेलेंगी। उन्नीस वर्षीय ऐला ने विक्टोरिया टोमोवा के खिलाफ अपना पहले दौर का मैच 6-3, 6-2 से जीता। अमेरिका की कैरोलिन डोलेहाइड ने एलीना अवनेस्यान को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला ल्युडमिला सैमसोनोवा से होगा।

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा: मध्यक्रम में दो स्थान के लिए छह दावेदार

नयी दिल्ली: राष्ट्रीय चयन समिति मई के दूसरे सप्ताह में इंग्लैंड के टेस्ट दौरे के लिए भारत और भारत ए टीम की घोषणा कर सकती है और ऐसे में उन्हें मध्यक्रम के दो स्थानों के लिए कम से कम छह दावेदारों के नाम पर विचार करना होगा। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 17 सदस्यीय टीम भेजी थी लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच के लिए अंतिम टीम 15 या 16 खिलाड़ियों की हो सकती है। इस दौरे के समय भारत की ए टीम भी इंग्लैंड में रहेगी और ऐसे में मुख्य टीम की जरूरत के मुताबिक ए टीम के खिलाड़ी को बुलाया जा सकता है। अजीत अगरकर के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय चयन समिति को कुछ खिलाड़ियों विशेष रूप से रिजर्व बल्लेबाजों को चुनने के लिए काफी सोच विचार करने की आवश्यकता होगी। इसमें घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के अलावा राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके ऐसे खिलाड़ी भी होंगे जिन्होंने अभी तक अपनी क्षमता के मुताबिक खुद को साबित नहीं किया है। सभी खिलाड़ी अगर फिट और स्वस्थ रहे तो कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, लोकेश राहुल, शुभमन गिल और विराट कोहली का स्थान शुरुआती मैचों की अंतिम एकादश में तय होगा। हरफनमौला खिलाड़ी की भूमिका में नीतीश कुमार रेड्डी होंगे। दौरे पर जाने वाली टीम में अगर 15 खिलाड़ी होते हैं तो एक अतिरिक्त मध्यक्रम बल्लेबाज के लिए जगह होगी। अगर टीम में 16 खिलाड़ी हैं तो ऐसे दो खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। यह दौरा 20 जून से शुरू होगा और अगस्त के पहले सप्ताह में समाप्त होगा। अभी कोई भी मध्यक्रम के बल्लेबाजों का नाम तय नहीं करना चाहेगा, लेकिन पीटीआई की जानकारी के अनुसार कम से कम छह नामों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इनमें से दो नहीं तो एक को सीनियर टीम में जगह मिल सकती है, जबकि बाकी निश्चित रूप से उसी समय इंग्लैंड लायंस (ए टीम) के खिलाफ होने वाली भारत ए श्रृंखला का हिस्सा होंगे।

बी साई सुदर्शन:

प्रथम श्रेणी के 29 मैचों में सात शतक लगाने वाले साई सुदर्शन लाल गेंद के क्रिकेट में भी एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर नजर रखी जानी चाहिए। वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए पहले ही खुद को साबित हो चुके हैं। चयनकर्ताओं की नजर इस खब्बू बल्लेबाज पर इसलिए भी होगी क्योंकि उनकी तकनीक अच्छी है और चोटिल होने से पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भारत ए के लिए भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

श्रेयस अय्यर:

श्रेयस पिछले साल रणजी क्रिकेट की जगह आईपीएल को तरजीह देने के लिए बीसीसीआई से फटकार झेलने के बाद लाल गेंद प्रारूप में बेहतर तकनीक के साथ उभरने वाले खिलाड़ी साबित हुए है। वह शॉर्ट पिच गेंदों को भी अब पहले की तुलना में अच्छे से खेलते है। इंग्लैंड दौरे पर अनुभव बहुत काम आएगा और 2022 में इंग्लैंड में एक टेस्ट सहित 14 टेस्ट खेलने के बाद वह चुनौतियों के बारे में जानते हैं।

रजत पाटीदार:

पाटीदार के पास तकनीक और मैदान के चारों ओर सहजता से शॉट खेलने की शानदार क्षमता है लेकिन आंकड़ों पर गौर करे तो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर एक भी अर्धशतक नहीं लगाकर टेस्ट क्रिकेट में अपना मौका गंवा दिया है। रणजी का पिछला सत्र (450 से कम रन) योजना के अनुसार नहीं चला, ऐसे में अगरकर की अगुवाई वाली समिति क्या उन पर एक बार फिर से भरोसा करेगी।

करुण नायर:

टेस्ट में भारत के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले केवल दूसरे बल्लेबाज नायर ने मध्यक्रम में अपनी लय खो दी थी लेकिन विदर्भ के साथ जुड़ने के बाद वह फॉर्म में शानदार तरीके से वापसी करने में सफल रहे। घरेलू सत्र उनके लिए स्वप्निल रहा, जिसमें उन्होंने प्रथम श्रेणी मैचों में 850 से अधिक रन बनाए। उन्होंने दो सत्र पहले कर्नाटक क्रिकेट से नजरअंदाज किये जाने के बाद एक ट्वीट किया था ''प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दो'' और कौन जानता है कि इंग्लैंड दौरा उनके लिए वह मौका हो सकता है। वह 2018 में नेट सत्रों के दौरान रवि शास्त्री और विराट कोहली को प्रभावित करने में नाकाम रहे थे और 2025 में बेंगलुरु के इस खिलाड़ी के लिए शायद एक अलग स्क्रिप्ट हो सकती है।

देवदत्त पडिक्कल:

एक और बाएं हाथ का बल्लेबाज जिसे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में पहले मैच में टेस्ट पदार्पण करने का मौका मिला। पडिक्कल ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के साथ एक प्रभावशाली साझेदारी के दौरान अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई। वह आईपीएल में अच्छे फॉर्म में हैं और अगर वह सीनियर टीम में जगह नहीं बना पाते हैं, तो वह निश्चित रूप से भारत ए टीम में शामिल होंगे।

सरफराज खान:

न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर में बेंगलुरु में 150 रन बनाने के बाद सरफराज को टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर लेनी चाहिए थी, लेकिन अगले टेस्ट मैचों में कुछ खराब शॉट चयन से उन्होंने अपनी जगह गवां दी। ऑस्ट्रेलिया में, वह एक पर्यटक की तरह थे और पहली एकादश में जगह बनाने के लिए उनके बारे में चर्चा भी नहीं की गई। चयनकर्ता हालांकि निरंतरता के लिए उनके नाम पर विचार कर सकते हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 85.19 प्रति डॉलर पर

मुंबई : सीमित दायरे में कारोबार के बाद अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 85.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की तेजी से रुपये को जो समर्थन मिल रहा था, उसे निवेशकों की डॉलर लिवाली ने बेअसर कर दिया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों का निवेश बढ़ने से रुपये को सहारा मिला। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित किया।

दिल्ली में सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार, चांदी स्थिर

नयी दिल्ली : स्थानीय आभूषण विक्रेताओं और कारोबारियों की लिवाली से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 1,800 रुपये की तेजी के साथ एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गई। इस बीच, अक्षय तृतीया और शादी-विवाह के सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद के चलते कीमती धातु को समर्थन मिला। वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ रही है, जिसके कारण सोने में लगातार तेजी बनी हुई है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। सोना सोमवार को 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय बाजार में मंगलवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,800 रुपये की तेजी के साथ 1,02,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सत्र में सोना 99,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है, जिसे सोना खरीदने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है।

शेयर बाजार में लगातार छठे दिन तेजी, बैंक शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 187 अंक और चढ़ा

तेजी से निवेशकों की संपत्ति 33.55 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला मंगलवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 187 अंक और चढ़ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह और बैंक तथा दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 187.09 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,595.59 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 415.8 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 41.70 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,167.25 अंक पर बंद हुआ। आईटी और ऊर्जा क्षेत्रों को छोड़कर ज्यादातर सूचकांक लाभ में रहे। रियल्टी, एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियां) और बैंक में सबसे ज्यादा तेजी रही। सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इटर्नल, कोटक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इंडसइंड बैंक में सबसे अधिक 4.88 प्रतिशत की गिरावट आई। ऐसी रिपोर्ट सामने आई हैं कि बैंक ने 'सूक्ष्म वित्त' कारोबार में 600 करोड़ रुपये की विसंगतियों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक ऑडिट को लेकर ईवाई को नियुक्त किया है। हालांकि, बैंक ने बाजार बंद होने के बाद शेयर बाजार को दी सूचना कहा कि उसने फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ईवाई को नियुक्त नहीं किया है। लेकिन इसका आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग (आईएडी) कुछ चिंताओं की जांच करने के लिए एमएफआई (माइक्रोफाइनेंस) कारोबार की समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और बजाज फिनसर्व में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''ट्रंप-फेडरल रिजर्व से संबंधित नकारात्मक वैश्विक धारणा के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार ने उम्मीद बनाये रखी है। आरबीआई की नकदी कवरेज अनुपात में छूट से कर्ज वृद्धि की उम्मीद है। इससे वित्तीय क्षेत्र को गति मिलेगी। डॉलर के कमजोर होने तथा प्रतिस्पर्धी मूल्यांकन के कारण विदेशी पूंजी प्रवाह लगातार चौथे दिन बना हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, घरेलू वृहद आर्थिक स्थिति सुधर रही है। मुद्रास्फीति में कमी और आरबीआई के आगे नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद है। इससे कर्ज की लागत कम होगी और मांग में तेजी आएगी। इससे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों की आय बेहतर रहने की उम्मीद है।'' छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.82 प्रतिशत की बढ़त में रहा, जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित मिडकैप 0.81 प्रतिशत चढ़ा।

भारत का जीडीपी में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी दोगुना कर 23 प्रतिशत करने का लक्ष्य: सीतारमण

सैन फ्रांसिस्को : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत अगले दो दशक में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन और आर्थिक वृद्धि को गति देना है। सीतारमण ने कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टिट्यूशन में अपने संबोधन में कहा कि भारत जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण, चिकित्सा उपकरण, बैटरी और चमड़ा और कपड़ा सहित श्रम गहन उद्योगों जैसे 14 चिन्हित उभरते क्षेत्रों पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए युवा कार्यबल को रोजगार देने, आयात निर्भरता को कम करने और प्रतिस्पर्धी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करने के लिए विनिर्माण को बढ़ाना आवश्यक है।'' वित्त मंत्री ने कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति के मद्देनजर विनिर्माण के संबंध में दुनिया में एक नई व्यवस्था बन रही है और भारत भी बदलाव देख रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 64 प्रतिशत है और यदि इसे एक तरफ देखा जाए, तो निचले स्तर पर 'गिग' (अस्थायी या फ्रेंचाइजी आधार पर काम करने वाले) अर्थव्यवस्था की वृद्धि तेज है। वास्तव में, यदि 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार अगर आज 71 लाख लोग गिग अर्थव्यवस्था में हैं, तो हमारा अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 23 करोड़ हो जाएगी। यह विनिर्माण नहीं है।'' यह पूछे जाने पर कि अगले दशक में या 2047 तक रोजगार का कितना हिस्सा विनिर्माण क्षेत्र में होगा, सीतारमण ने कहा, '... सेवा क्षेत्र जीडीपी और रोजगार दोनों में गैर-आनुपातिक रूप से योगदान दे रहा है... लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विनिर्माण को अलग रखा जाना चाहिए। हम विनिर्माण के योगदान को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 22-23 प्रतिशत करने की उम्मीद कर रहे हैं।'

ईएसआईसी की देशभर में 10 नये मेडिकल कॉलेज खोलने की तैयारी

नयी दिल्ली : कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) देशभर में 10 नये मेडिकल कॉलेज खोलने पर विचार कर रहा है। इससे वंचित या कम सुविधा वाले क्षेत्रों में ईएसआईसी खाताधारकों को सेवाएं दी जा सकेंगी। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां संवाददाताओं को बताया कि पुणे, मानेसर, कोल्लम, सूरत, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आसनसोल, नागपुर, पांडुनगर और मडगांव में 10 नए मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि ये 10 मेडिकल कॉलेज अंधेरी, बसईदारापुर, गुवाहाटी-बेलटोला, इंदौर, जयपुर, लुधियाना, नरोदा-बापूनगर, नोएडा, वाराणसी और रांची में पहले से स्वीकृत मेडिकल कॉलेजों के अलावा खोले जाएंगे। ईएसआईसी ने अपनी 194वीं बैठक में 10 नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। मंत्री ने आगे बताया कि ईएसआईसी 14.4 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को व्यापक, नकदी-रहित चिकित्सा देखभाल मुहैया करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के साथ जुड़ने पर भी काम कर रहा है। ऐसे में ईएसआईसी लाभार्थी पीएमजेएवाई के पैनल में शामिल अस्पतालों में अपना इलाज करा सकेंगे।

आरबीआई ने बैंकों से अक्टूबर तक 'डॉट बैंक डॉट इन' डोमेन अपनाने को कहा

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकों को निर्देश दिया कि वे अपने मौजूदा डोमेन को 'डॉट बैंक डॉट इन' डोमेन पर स्थानांतरित करना शुरू करें इस साल 31 अक्टूबर तक यह प्रक्रिया पूरी करें। इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं से निपटना है। केंद्रीय बैंक ने डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी के मद्देनजर भारतीय बैंकों के लिए 'डॉट बैंक डॉट इन' विशेष इंटरनेट डोमेन शुरू करने का फैसला किया है। इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा खतरों और 'फिशिंग' जैसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को कम करना और सुरक्षित वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित करना है, जिससे डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में विश्वास बढ़े।

कृषि वृद्धि दर बढ़ने से गांव के युवाओं का पलायन रोका जा सकेगा : गडकरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को ग्रामीण युवाओं के शहरों की ओर पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण भारत में कृषि की वृद्धि दर और क्रय शक्ति बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि वर्तमान में कृषि फसलों के लिए सरकार का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) वाणिज्यिक बाजार की कीमतों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा, 'कृषि की वृद्धि दर बढ़ने पर ग्रामीण युवाओं को आजीविका के लिए दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा।' उनके अनुसार, कृषि की वृद्धि दर बढ़ने से ग्रामीण आबादी की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। गडकरी ने देश में बांस संसाधनों के अधिक गहन उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि बांस रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है और ग्रामीण विकास में योगदान दे सकता है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में बांस के उपयोग से भारत को जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने में मदद मिलेगी। गडकरी ने कहा कि बांस में कोयले के विकल्प के रूप में इस्तेमाल की क्षमता है और इसका उपयोग निर्माण कार्य में भी किया जा सकता है।

अटल पेंशन योजना से बीते वित्त वर्ष 1.17 करोड़ अंशधारक जुड़े

नयी दिल्ली : सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना अटल पेंशन योजना से बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 1.17 करोड़ अंशधारक जुड़े। इसके साथ इस योजना से जुड़े अंशधारकों की कुल संख्या 7.60 लाख करोड़ को पार कर गयी है। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्ष से हर साल एक करोड़ से अधिक अंशधारक अटल पेंशन योजना (एपीवाई) से जुड़े हैं। बयान के अनुसार, ''वित्त वर्ष 2024-25 में अटल पेंशन से 1.17 करोड़ अंशधारक जुड़े। इसके साथ योजना से जुड़े अंशधारकों की संख्या 7.60 करोड़ पहुंच गयी है।'' योजना के तहत प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां 44,780 करोड़ रुपये से अधिक हो गयी हैं।

रुपया 23 पैसे की बढ़त के साथ 85.15 प्रति डॉलर पर

मुंबई : विदेशी बाजारों में डॉलर में तेज गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के बीच विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को रुपया 23 पैसे की बढ़त के साथ 85.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि डॉलर इंडेक्स 99 अंक के स्तर से नीचे टूटता हुआ अपने तीन साल के सबसे निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा, विदेशी कोषों का निवेश प्रवाह बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भी रुपये को फायदा पहुंचाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.15 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दिन के उच्चतम स्तर 85.03 और निम्नतम स्तर 85.19 के बीच घूमने के बाद कारोबार के अंत में 85.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद स्तर से 23 पैसे की बढ़त है।

वर्ष 10, पूर्णांक 4215 अंक 025, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in